अवधि की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–12 अंक–239 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ गुरुवार 28 दिसम्बर 2023 पृष्ठ – 4 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

सौर उर्जा से रोशन होंगे प्रदेश के मेडिकल कॉलेज डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सोलर पैनल लगाने के दिए निर्देश

लखनऊ, (यूएनएस)। यूपी के सरकारी मेडिकल कॉलेज सौर उर्जा से रोशन होंगे। इसके लिए मेडिकल कॉलेजों के प्रमुख भवनों में सोलर पैनल लगाए जाएंगे। बिजली की बचत होगी। बिजली पर होने वाले खर्च में भी कमी लाई जा सकेगी। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्यों को सौलर पैनल लगाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सोलर पैनल लगने से बिजली की बचत होगी। संस्थानों को आर्थिक बचत भी होगी। संस्थानों में निर्बाध बिजली आपूर्ति भी बनी रहेगी। मेडिकल संस्थान यूपीनेडा के अफसरों से उर्जा क्रय अनुबंध भी कर सकते हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रदेश के कई मेडिकल संस्थानों ने इस दिशा में सकारात्मक प्रयास किए हैं। इसमें लखनऊ के किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, मेरठ मेडिकल कॉलेज समेत अन्य मेडिकल संस्थान शामिल हैं। सोलर पैनल से बिजली निर्माण का फायदा संस्थानों को मिलेगा। बिजली व्यवस्था और बेहतर होगी। रोगियों को और बेहतर व सुगम उपचार मिल सकेगा।

मां-बेटी को बेरहमी से पीटा, हालत गंभीर,नाबालिग से दबंगो ने की छेड़छाड़

बांदा। जनपद में एक लड़की के साथ छेड़खानी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। छेड़खानी कर रहे दबंगों का जब लड़की और उसकी मां ने विरोध किया तो 8 लोगों ने महिला और उनकी बेटी को बेरहमी से पीट दिया। इस पिटाई से दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं की, जिसके चलते अचेत अवस्था में घायल महिला को लेकर आईजी ऑफिस आना पड़ा। हालांकि, स्थानीय पुलिस का कहना है कि मामला दर्ज कर लिया गया है। आगे की कार्रवाई जारी है। पूरा मामला बिसंडा थाना क्षेत्र के एक गांव का है। यहां पर एक पुराने जमीनी विवाद की जगह पर एक लड़की ने गोबर डाल दिया। इस दौरान वहां मौजूद व्यक्ति ने लड़की के साथ मारपीट की और छेड़खानी की घटना को अंजाम दिया। इस दौरान लड़की के चीख पुकार करने पर लड़की की मां मौके पर पहुंची और विरोध करने लगी। इसके बाद वहां मौजूद आठ लोगों ने महिला और उसकी बेटी को मारा पीटा, जिसमें बेटी को बचाने के चक्कर में महिला को गंभीर चोटे आई हैं। पीड़ित परिवार का आरोप है कि पुलिस ने पूरे मामले में अब तक कोई कार्यवाही नहीं की है। जिसके चलते इतनी सर्दी में कोहरे में डीआईजी चित्रकूट धाम मंडल के कैंप कार्यालय लेकर पीड़ित पहुंचे और अपनी फरियाद सुनाई। इसके बाद डीआईजी ऑफिस के बाहर लेटी महिला को आनन फानन में बांदा जिला अस्पताल पहुंचाया है, जहां उसका उपचार किया जा रहा है। अगर पुलिस की मां ने तो घटना के बाद मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

डीएम ने की गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर बैठक,पूर्व संध्या पर बजेंगे देशभक्ति गीत

लखनऊ,(यूएनएस)। आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार द्वारा आगामी गणतंत्र दिवस के भव्य आयोजन के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित समस्त अधिकारियों से यह अपेक्षा की गई कि इस बार के राष्ट्रीय पर्व में गत वर्ष की भांति उत्कृष्ट व गरिमामय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। उन्होने कहा है कि 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर होने वाले सभी कार्यक्रम रोचक, आकर्षक, प्रेरणादायक एवं शिक्षाप्रद हो। उन्होंने कहा कि 26 जनवरी, 2024 को विधान सभा के समक्ष होने वाला कार्यक्रम गरिमायुक्त एवं महत्वपूर्ण होता है जिसमें महामहिम राज्यपाल महोदया एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री भी उपस्थित रहतें हैं। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस परेड भव्य एवं प्रतिष्ठित समारोह है जिसमे सभी विभागों को अपना पूर्ण योगदान देते हुए कार्यक्रम को भव्य बनाया जाना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में जिलाधिकारी ने समस्त सम्बंधित विभागों को निर्देश दिये है कि वो अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन निष्ठापूर्ण व मेहनत से करते हुए आगामी गणतंत्र दिवस की सभी तैयारियॉ समय से पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि गणतंत्र दिवस पर भव्य आयोजन के लिए जिन विभागों की ड्यूटी लगायी गयी है वह अपने उच्च अधिकारियों के संज्ञान मे लाये तथा परेड के प्रारम्भ होने के स्थान से लेकर अन्तिम समाप्ति स्थान पर की जाने वाली तैयारियों के लिए आपस मे समन्वय स्थापित कर लें। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि लोक निर्माण विभाग व विधुत विभाग अभी से ही परेड के रुट का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाए सुनिश्चित कराए और प्रमाण पत्र उपलब्ध कराए। उक्त के साथ ही सभी सम्बंधित विभाग के अधिकारी रवींद्रालय चारबाग पर एकत्रित होकर परेड के रूट का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कर ले। गणतंत्र दिवस को भव्यता प्रदान करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि विधान भवन की फसाड लाइटिंग पूर्व की भांति जलती रहेगी।जिलाधिकारी ने कहा कि परेड में भाग लेने वाली टुकड़ियों एवं दलों का चयन निर्धारित अवधि मे किया जायेगा। उन्होंने कहा कि परेड में भाग लेने वाले स्कूली बच्चों के कार्यक्रमों एवं दलों के भाग लेने के लिए सम्बन्धित विभाग अपने प्रस्ताव अपने–अपने राइटअप

के साथ निर्धारित अवधि में अपर जिला मजिस्ट्रेट नगर पूर्वी के पास भेज दें। जिलाधिकारी ने बताया कि चयनित टीमों का पूर्वाभ्यास पुलिस लाइन में होगा जिसमें परेड का प्रथम पूर्वाभ्यास 22 जनवरी व फुल ड्रेस पूर्वाभ्यास 24 जनवरी 2024 को प्रातः 09रू30 बजे से विधान भवन के सामने आयोजित किया जायेगा।जिलाधिकारी ने बताया कि सभी कार्यक्रम एवं झांकियॉ अपने निर्धारित समय में ही विधान सभा मार्ग से गुजरेंगी। झांकी का प्रदर्शन गुणात्मक हो। उन्होने कहा कि मार्ग का मार्ग बाल विद्या मन्दिर चारबाग रविन्द्रालय के सामने से पं. दीन दयाल उपाध्याय स्मृति वाटिका हुए राणा प्रताप तिराहा, बर्लिंग्टन चौराहा रायल होटल होते हुए विधान भवन के सामने से गुजरते हुए हजरतगंज से बायें अल्का तिराहा, मेफेयर तिराहा होते हुए हिन्दी संस्थान से दाहिने एसबीआई तिराहे के सामने से होते हुए केडी सिंह बाबू स्टेडियम के गेट नं0–6 के बाहर बच्चों व सांस्कृतिक दल के सदस्य गेट से बाहर निकलकर अपनी बसों में बैठेंगे तथा परेड का शेष भाग (आर्मी के व्यवस्था यातायात सुरक्षा के विशेष प्रबन्ध इस अवसर पर किये जाये। परेड में सेना पुलिस, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस, सशस्त्र सीमा बल, होमगार्ड, एन0सी0सी0आदि की टुकड़ियॉ भाग लेंगीं। डीएम ने बताया कि परेड टैंक वाहन व झांकियॉ आदि) इसी मार्ग पर आगे बढ़कर मोती महल तिराहे से दाहिने चिरैया झील, सिकन्दरबाग सप्रू मार्ग तिराहा से हजरतगंज चौराहा, डी0एस0ओ0 बन्दरियाबाग, लालबस्ती चौराहा होकर वापस जायेंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि 25 जनवरी को देश भक्ति के गीतो का प्रसारण मुशायरा एवं कवि सम्मेलन प्रभातफेरी, विभिन्न धार्मिक स्थानों पर विशेष प्रार्थना सभी स्कूल कालेज में खेलकूद प्रतियोगिताएं आदि कार्यक्रम होगें। इसी श्रृंखला में 26 जनवरी, 2024 को कलेक्ट्रेट के साथ ही सभी शासकीय व गैर सरकारी कार्यालयों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराए जाने के साथ ही राष्ट्रीय गान होगा और राष्ट्र के प्रति निष्ठा की प्रतिज्ञा का स्मरण भी होगा। इस कार्यक्रम को तहसील व विकास खण्ड स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिए गए की पूर्व की भांति इस बार भी राष्ट्रगान का रिले विधान सभा से समस्त ITMS चौराहों पर किया जाएगा। राष्ट्रगान शुरू होने से एक मिनट पहले सभी ट्रैफिक सिग्नल रेड हो जाएंगे और सभी जनपदवासी व वह लोग जो वाहनों में है अपने वाहनों से बाहर निकल कर राष्ट्रगान के सम्मान में सावधान मुद्रा में खड़े हो जाएंगे।

जनवरी से शुरू हुआ दंगल दिसंबर में संन्यास तक पहुंचा, अब राजनीति के अखाड़े में ही दांव दिखाएंगे बृजभूषण

भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने पहलवानी से तौबा करने का एलान कर दिया है। उनका कहना है कि अब वह सिर्फ सियासत में ही दांव आजमाएंगे।

लखनऊ। बीते 12 साल से भारतीय कुश्ती महासंघ की धुरी बने रहे सांसद बृजभूषण शरण सिंह पहलवानी से तौबा कर अब सियासत के अखाड़े में दांव दिखाएंगे। 30 साल से लगातार लोकसभा के लिए सांसद चुने

जाने वाले बृजभूषण के लिए साल 2023 की शुरुआत ही कई मुश्किलें लेकर आया। जब महिला पहलवानों ने सांसद बृजभूषण पर यौन शोषण जैसा गंभीर आरोप लगा कर भूचाल सा ला दिया। इससे पहले रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) पर कब्जेदारी को लेकर सियासी जोर–आजमाइश चलती रही। अप्रैल में पूरा मामला तब सांसद के लिए मुसीबत बन गया जब उनके खिलाफ होने वाला धरना–प्रदर्शन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली तक पहुंच गया। इस दौरान उन्होंने कई बड़ी हस्तियों को चुनौती देखकर अपनी ताकत का अहसास कराया। मामला कोर्ट में जाने के बाद दिल्ली पुलिस को सांसद के खिलाफ एफआईआर तक दर्ज करना पड़ी।

इस मामले को लेकर जून से अक्तूबर तक चली सियासी पेशबंदी के बाद दिसंबर में हुए भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनाव में उनके खास माने जाने वाले संजय सिंह बबलू ने अध्यक्ष पद पर जीत हासिल कर ली। जीत के बाद 60 घंटे के भीतर ही केंद्रीय खेल मंत्रालय ने नई कमेटी को भंग कर कुश्ती महासंघ में व्याप्त बृजभूषण का दबदबा खत्म कर दिया। इस तरह जनवरी से शुरू हुआ संघर्ष दिसंबर के आखिरी दौर में सांसद के कुश्ती को अलविदा करने की घोषणा के बाद थमा।

जन्मदिन से ठीक दस दिन बाद बढ़ीं मुश्किलें

छह बार के सांसद रह चुके बृजभूषण शरण सिंह ने हर साल की तरह 2023 में भी 08 जनवरी को अपना जन्मदिन धूमधाम से मनाया था। इसके ठीक 10 दिन बाद से उनकी मुश्किलें बढ़ने लगीं। 18 जनवरी को ओलंपियन साक्षी मलिक और बजरंग पुनिया की अगुवाई में महिला पहलवानों ने डब्ल्यूएफआई के तत्कालीन अध्यक्ष बृजभूषण पर यौन शोषण व धमकी देने का आरोप लगाकर जंतर–मंतर पर विरोध–प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान पहलवानों ने अपने पुरस्कार तक वापस कर दिए।

प्रियंका गांधी को दी थी चुनाव लड़ने की चुनौती

धरना दे रही महिला पहलवानों के समर्थन में पहुंची कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को बृजभूषण शरण सिंह ने खुले मंच से चुनाव लड़ने की चुनौती दी थी। उनका कहना था कि प्रियंका अगर इतनी बड़ी नेता हैं तो वह यूपी के किसी भी लोकसभा सीट पर मुझसे चुनाव लड़ सकती हैं।

बाबा रामदेव से भिड़ंत भी रही चर्चा में

साल के अगस्त माह में व्यापारियों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कैसरगंज सांसद बृज भूषण ने महर्षि पतंजलि के नाम पर कारोबार कर रहे बाबा रामदेव के उत्पादों को नकली बता कर उनके खिलाफ सीधा मोर्चा खोल दिया था। इस मामले में पतंजलि समूह के निदेशक आचार्य बालकृष्ण ने उन्हें विधिक नोटिस भी भेजी

अब सियासत पर रहेगा पूरा फोकस

खेल मंत्रालय की ओर से भारतीय कुश्ती महासंघ को निलंबित करने के बाद पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि वह कुश्ती से संन्यास ले कर अब अपना पूरा ध्यान सियासत के अखाड़े में विरोधियों को पटकनी देने पर लगाएंगे। इसके लिए पूरा ध्यान आगामी लोकसभा चुनाव पर रहेगा। उन्होंने साफ कहा कि संजय सिंह मेरे रिश्तेदार नहीं हैं। कुश्ती खेल से भी अपना नाता तोड़ चुका हूं।

संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा : अखिलेश

लखनऊ,(यूएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा, भाजपा का दुष्प्रचार जारी है। चारों तरफ लूट मची हुई है। भाजपा ने सत्ता का जमकर दुरुपयोग किया है, ऐसा तो किसी सरकार में नहीं हुआ। संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है। लोकतंत्र पर हमला जारी है।

समाजवादी पार्टी लोकतंत्र और संविधान को बचाने की बड़ी जिम्मेदारी निभाने के लिए संकल्पित है। 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी सावधानी और पूरी सतर्कता से च्व। इंडिया गठबंधन मिलकर भाजपा को सत्ता से हटाने का काम करेगी। अखिलेश यादव ने कहा, समाजवादी कार्यकर्ता घर–घर जाकर भाजपा के झूठे वादों और काले कारनामों की सच्चाई से अवगत कराने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। भाजपा के झूठ की जानकारी हर बूथ स्तर तक समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता देंगे। कार्यकर्ता अनुशासित रहकर हर बूथ पर मुस्तैदी से भाजपा को हराने का काम करेंगे। अखिलेश यादव ने कहा, महंगाई, बेरोजगारी

और भ्रष्टाचार ने देश को कमजोर कर दिया है। अर्थव्यवस्था चौपट है। जनता का हर वर्ग असंतुष्ट है। विपक्षी कार्यकर्ताओं विशेषकर समाजवादी पार्टी के निर्दोष कार्यकर्ताओं को झूठे केस में फंसाकर उनका हर तरह से उत्पीड़न किया जा रहा है। गरीबों के साथ अन्याय करके उन्हें सताया जा रहा है। अखिलेश यादव ने कहा, भाजपा के सब वादे हवा हवाई है। किसानों की हालत खराब है। भाजपा सरकार में घर–घर बेरोजगार बैठे हैं। सात हजार शिक्षामित्र जान गवां चुके हैं। उत्तर प्रदेश में जो कुछ भी विकास दिख रहा है वह सब समाजवादी सरकार की देन है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर की पुलिस सेवा यूपी डायल 100 और महिला अपराध नियंत्रण के लिए 1090 वूमेन पावर लाइन सेवा, प्रसूताओं को अस्पताल लाने ले जाने के लिए 102 एम्बुलेंस और सड़क दुर्घटना में तत्काल घायलों को उपचार के लिए अस्पताल लाने के लिए 108 एम्बुलेंस सेवा शुरू की गई थी। भाजपा सरकार ने इन सभी जनहित की सेवाओं को बर्बाद कर दिया है। भाजपा सरकार से जनहित की किसी भी योजना की उम्मीद करना व्यर्थ है। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने कहा कि अखिलेश यादव पर देश को बहुत भरोसा है। हर नौजवान उनके नेतृत्व में चलने को तत्पर है। जनता इस बार समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व और पीडीए–इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर भाजपा के एनडीए को सत्ता से हटा देगी।

खुद को समाज से जोड़ें, फिर समाज जुड़ेगा : पूर्व न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी

दो दिवसीय हरिश्चंद्र वंशीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

लखनऊ,(यूएनएस)। गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में बुधवार को दो दिवसीय हरिश्चंद्र वंशीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के पहले दिन वक्ताओं ने समाज के उत्थान को लेकर विभिन्न पहलुओं पर अपनी राय रखी। कार्यक्रम के दौरान एक तरफ जहां सामाजिक मुद्दों पर पैनल डिसकशन किया गया तो वहीं युवा प्रतिभाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर आनंद की अनुभूति कराई। सम्मेलन के उद्घघाटन सत्र में महाराजा हरिश्चंद्र की प्रतिमा के समक्ष दीप जलाकर मंचासीन अतिथियों ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया।सभा को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी ने कहा, समाज के उत्थान के लिए अच्छे विचारों को साकार रूप देने की जरूरत है। लेकिन पहले खुद को समाज में जोड़ें, फिर समाज आपसे जुड़ेगा। जो व्यक्ति समाज के उत्थान में अपना सहयोग देता है उसी का नाम इतिहास में दर्ज होता है। समाज उत्थान के लिए सभी को एकजुट होने की जरूरत है। इसके लिए जरूरी है कि सभी लोग अपनी आय का कुछ अंश समाज कल्याण के लिए दान दें। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कोलकाता के प्रदीप रस्तोगी ने कहा, कि वह 01 हजार गुल्लक

लखनऊ हरिश्चन्द्र वंशीय समाज को देंगे, जिससे एक बचत की मुहिम व्यापक रूप से चलाई जाए।

स्वास्थ्य सेवा को लेकर पैनल डिसकशन में कार्यक्रम का संचालन सुधांशु रस्तोगी ने किया। जिसमें लोहिया संस्थान के कैन्सर विशषज्ञ डॉ मधुप रस्तोगी, डॉ शिवानी रस्तोगी, रेडियोलॉजिस्ट डॉ स्वतंत्र रस्तोगी, विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ वीसी रस्तोगी और लखनऊ विश्वविद्यालय के फिडियोलॉजी विभाग की डॉ अल्पना रस्तोगी ने बेहतर स्वास्थ्य का ख्याल रखने पर स्वस्थ रहने का उपाय बताया।इस मौके पर समाज के देहली से आई हुई श्रीमती इंदिरा मोहन, द्वारका प्रसाद रुस्तगी एवं डा प्रवीन रोहतगी, वाराणसी से आये हुए विजय शंकर जी, अध्यक्ष राजन रस्तोगी, महामंत्री प्रदीप रस्तोगी, कोषाध्यक्ष आशीष रस्तोगी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव रस्तोगी, संरक्षक हरि जीवन रस्तोगी ने समाज कल्याण को लेकर अपने विचार व्यक्त किये। मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र नाथ रस्तोगी ने बतलाया कि गुरुवार को सम्मेलन के दूसरे व आखिरी दिन मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध रंगकर्मी व अभिनेता डॉ अनिल रस्तोगी द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा।

गिट्टी-मौरंग डीलर की गोली लगने से हुई मौत,लाइसेंसी रिवाल्वर नाले में मिला

लखनऊ, (यूएनएस)। राजधानी लखनऊ में गाजीपुर क्षेत्र में पंपिंग स्टेशन में गिट्टी–मौरंग डीलर खिंजर सिद्दीकी (55) का शव पड़ा मिला। उनके सिर में गोली लगी थी और जेब में चार कारतूस भी थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंपिंग स्टेशन के नीचे से गुजर रहे नाले में खोजबीन की तो उनका लाइसेंसी रिवाल्वर भी पड़ा मिला। खिजिर सिद्दीकी मंगलवार शाम चार बजे के करीब घर से निकले थे। परिजनों ने इंदिरानगर थाने में रात दो बजे के करीब गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस उनके घर पर मोबाइल से लेकर पर्स तक छोड़ जाने के चलते आत्महत्या के बिंदु पर पड़ताल कर रही है। हालाकि पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।गाजीपुर थाना क्षेत्र के कल्याण अपार्टमेंट में पंपिंग स्टेशन नंबर चार के पास बुधवार दोपहर एक शव मिलने की सूचना मिली थी। थाना पुलिस की जांच पड़ताल करने पर जानकारी हुई कि शव इंदिरानगर निवासी खिंजर सिद्दीकी है। जो मंगलवार शाम से लापता है। पत्नी हिना बिलाल ने देर रात तक घर न लौटने पर इंदिरानगर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

जिसके बाद पुलिस ने थाना पुलिस के साथ खिंजर की जेब में मिले आधार कार्ड पर लिखे पते पर सूचना दी। परिजनों मौके पर पहुंचकर शव की शिनाख्त की। पत्नी हिना ने पुलिस को बताया, कारोबार में घटना और लेनदेन के चलते परेशान थे। मंगलवार शाम को किसी को बिना बताए घर से निकल गए। घर पर मोबाइल फोन से लेकर पर्स तक छोड़ गए थे। पहले लगा कही टहलने गए होंगे, लेकिन देर रात तक नहीं लौटे तो थाने पर सूचना दी। एडीसीपी नार्थ अभिजित आर शंकर ने बताया, मौके पर फॉरेंसिक टीम के साथ पड़ताल की गई है। मृतक मंगलवार शाम से लापता था। उनके सिर पर चोट का निशान है। पोस्टमॉर्टम के लिए शव को भेज दिया गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आगरा–फिरोजाबाद हाईवे पर आपस में भिड़े 13 वाहन,6 लोग घायल, एक की मौत

आगरा, (यूएनएस)। आगरा–फिरोजाबाद हाईवे पर घना कोहरा होने के चलते झरना नाले के पास आगरा से फिरोजाबाद जाते हुए 13 से 14 वाहन एक–दूसरे से भिड़ गए। जिससे करीब छह लोग घायल हो गए। वहीं एक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्रीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। घायलों का अस्पताल भिजवाया गया। मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मौके पर वाहनों को हटाने में जुटी हुई है। वहीं दुर्घटनाग्रस्त वाहनों की वजह से हाईवे पर जाम भी लग गया है। आगरा–फिरोजाबाद हाईवे पर सुबह करीब 3रू00 बजे काफी घना कोहरा था। ऐसे में आगरा से फिरोजाबाद की तरफ जाने वाले रास्ते पर मुर्गों से भरी हुई महिंद्रा मैक्स अचानक से अनियंत्रित होकर हाईवे पर पलट गई। जिसकी वजह से पीछे से आ रहा एक ट्रक हाईवे पर ही रुक गया। इस दौरान पीछे से आने वाले करीब 12 से 13 वाहन एक–एक कर उस ट्रक से टकराने लगे। इस दौरान सभी वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। इन वाहनों में सवार चालक, कंडक्टर व अन्य सवारी घायल हो गई। आगरा में सुबह से ही काफी कोहरा होने के चलते विजिबिलिटी काफी कम है। 15 से 20 मीटर तक हाईवे पर कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है। इसकी वजह से वाहनों की रफ्तार काफी धीमी हो गई है। इसी कारण हाइवे पर यह हादसा हुआ। हादसे की सूचना मिलते ही थाना ट्रांस यमुना पुलिस मौके पर पहुंच गई। हादसे में घायल हुए लोगों को आसपास के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। वहीं एक व्यक्ति उमेश चंद पुत्र फूलचंद निवासी औरैया की इसमें मौत हुई है। जो की कैंटर चालक था। उसके शव को पुलिस द्वारा पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं दूसरी तरफ पुलिस अभी भी मौके पर क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने में जुटी हुई है। पीछे से आने वाले अन्य वाहनों को लगातार कोहरे से सचेत रहने के निर्देश दे रही है।

सम्पादकीय

कुश्ती को बहुत नुकसान पहुंचाया कुश्ती संघ के विवाद ने

पिछले लगभग एक साल के भारतीय कुश्ती संघ के विवाद ने कुश्ती को बहुत नुकसान पहुंचाया। यह नुकसान दिख नहीं रहा किंतु इसकी भारपायी के लिए बड़ा प्रयास करना होगा। खेल मंत्रालय ने नवनिर्वाचित भारतीय कुश्ती संघ को निलंबित कर इस खेल को बचाने के लिए बड़ा संदेश दिया है। खेल मंत्रालय ने भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) से फेडरेशन का कामकाज चलाने के लिए एक तदर्थ समिति बनाने को कहा है। खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती संघ का संचालन राष्ट्रीय खेल विकास संहिता में दिए राष्ट्रीय खेल फडरेशन के कामकाज की तरह करना सुनिश्चित करने को कहा गया है। यह व्यवस्था अगले आदेश तक जारी रहेगी।

भारतीय कुश्ती संघ के बीते गुरुवार को चुनाव कराए गए थे। इसमें संघ के पूर्व प्रमुख और बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह अध्यक्ष चुने गए थे। चुने जाते ही संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय सिंह के अंडर–15 और अंडर–18 का ट्रायल गोण्डा के नंदिनी नगर में आयोजित कराने की घोषणा की थी। यह क्षेत्र सांसद बृजभूषण शरण सिंह का गृह जनपद है। वर्तमान में सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे यहां से विधायक हैं। सरकार ने इस ट्रायल को ही रद्द कर दिया है। इस चुनाव का अंतरराष्ट्रीय पहलवान विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया ने विरोध किया था। बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों की इस लड़ाई में ये तीनों पहलवान प्रमुख रूप से शामिल थे। कुछ महिला पहलवानों ने बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन शोषण के आरोप लगाए थे। संजय सिंह के चुनाव के बाद ओलंपिक पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक ने कुश्ती से संन्यास लेने की घोषणा की थी। वहीं बजरंग पूनिया ने अपना श्पद्मश्रीश लौटा दिया था। हरियाणा के पैरा एथलीट वीरेंद्र सिंह ने पद्म श्री लौटाने का ऐलान किया था।

दरअसल इस चुनाव को रद्द करने का कारण सरकार का सांसद बृजभूषण शरण सिंह को झटका देना था। इनके बेटे और नजदीकियों ने अंडर–15 और अंडर–18 का ट्रायल गोण्डा के नंदिनी नगर में आयोजित कराने की घोषणा के बाद क्षेत्र में बड़े हार्डिंग लगवाए थे कि दबदबा तो है, दबदबा रहेगा...ये भगवान की देन है। ये वहीं पोस्टर हैं जिनका प्रदर्शन सांसद के विधायक बेटे प्रतीक भूषण शरण सिंह ने भी खुलेआम किया था। चुनाव के रद्द होने के बाद गाड़ियों से भी श्दबदबाश वाले स्टीकर और चौराहों पर लगे हार्डिंग भी हटा दिए गए। चुनाव के बाद नए अध्यक्ष की अंडर–15 और अंडर–18 का ट्रायल गोण्डा के नंदिनी नगर में आयोजित कराने की घोषणा और ये पोस्टर सांसद बृजभूषण शरण सिंह और उनके नजदीकियों के इरादे बताने के लिए काफी था। वरन स्टेडियम तो पूरे देश में बने हैं। कहीं और भी ट्रायल हो सकते थे। ये ट्रायल गोण्डा के नंदिनी नगर में ट्रायल कर विरोध करने वाले पहलवानों को अपना प्रभाव और दबदबा बताना चाहते थे। इससे बडी बात क्या होगी कि इन ट्रायल की तारीख तय करते समय एसोसिएशन के सचिव की सहमति भी नहीं ली गई। न उन्हें ट्रायल की तारीख तय होने की जानकारी है। जबकि एसोससिएशन के संविधान के अनुसार ये होना चाहिए था। एसोसिएशन के नवनिर्वाचित प्रधान सचिव प्रेम चंद लोचब ने इस निर्णय पर आपत्ति जताते हुए भारतीय ओलंपिक संघ को पत्र लिख कर बताया था कि सचिव की जानकारी के बिना ये निर्णय लिए गए हैं जबकि कुश्ती संघ का संविधान कहता है कि सचिव की अनुपस्थिति में न तो निर्णय लिए जा सकते हैं और न ही कोई और अधिकारी इन निर्णयों की जानकारी प्रसारित कर सकता है। छह माह से ज्यादा पहले पहलवानों के विरोध के बाद भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को कुश्ती संघ के अध्यक्ष के पद से हटा दिया था। नवनिर्वाचित भारतीय कुश्ती संघ के निलंबन के बाद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा था कि अब उनका कुश्ती से कोई लेना–देना नहीं है। उन्होंने कहा कि कुश्ती को लेकर क्या करना है, इसका फैसला नए चुए गए पदाधिकारियों को करना है। उन्होंने कहा कि उनके पास कई और भी काम हैं। उन्होंने कहा कि वो इस खेल की राजनीति से दूर रहेंगे। ये घोषणा उन्होंने भाजपा के अध्यक्ष जेपी नडडा से मिलने के बाद की। लगता है कि पार्टी अध्यक्ष जेपी नडडा ने उन्हें समझा दिया कि टिकट बचाना है तो कुश्ती से दूर रहें। हालाकि उन्होंने कह दिया कि कुश्ती से उनका कोई लेना–देना नहीं है जबकि सच्चाई यह है पद से हटने के छह माह बाद भी कुश्ती संघ का कार्यालय उनके घर पर चल रहा है।

कुश्ती संघ को निलंबित किए जाने के बाद आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले अनुभवी पहलवान बजरंग पूनिया ने कहा, श्यह सही निर्णय लिया गया है। जो हमारी बहन–बेटियों के साथ अत्याचार हो रहा है उसके खिलाफ संबंधित लोगों को पूरी तरह से हटाया जाना चाहिए। हमारे ऊपर कई इल्जाम लगाए गए। राजनीति की गई। जब हम पदक जीतते हैं तो देश के होते हैं। हम खिलाड़ी कभी भी जात–पात नहीं देखते। एक साथ एक थाली में खाते हैं। हम अपने तिरंगे के लिए खून–पसीना बहाते हैं। वहीं इस पर ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक ने कहा है कि यह उनका (बृजभूषण सिंह) राजनीतिक एजेंडा है, उस पर उन्हें कुछ नहीं कहना है। साक्षी ने कहा कि उनकी श्लड़ाई सरकार से नहीं बल्कि एक व्यक्ति से हैश। कुश्ती खिलाड़ी विनेश फोगाट ने एक निजी चौनल से बात करते हुए कहा, ष्ये अच्छी खबर है। हम चाहेंगे कि इस पद पर कोई महिला आनी चाहिए ताकि ये संदेश जाए कि महिलाएं आगे बढ़ें। जो भी हो कोई अच्छा आदमी आना चाहिएष्।

पिछले एक साल से चले आ रहे कुश्ती संघ के विवाद ने कुश्ती का बहुत नुकसान पहुंचाया है। कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह पर महिला पहलवानों के आरोप लगने के बाद से ही सरकार को उन्हें हटा देना चाहिए था, किंतु ऐसा नही हुआ। इसका परिणाम यह है कि आज अभिभावक खेल में अपनी बेटी का भेजते कई बार सोचेंगे।वे पहले ही अपनी बेटी की सुरक्षा और सम्मान को लेकर चिंतित रहते हैं, इस प्रकरण ने उनकी चिंता और बढ़ायी है। अब वे बेटी को खेल विशेषकर कुश्ती में भेजते कई बार सोंचेंगे। सरकार ने नए चुनाव का भले ही रद्द कर दिया हो किंतु लंबे समय से कुश्ती संघ में दबदबा कायम रखें बृजभूषण सिंह और उनके नजदीकी चुप नहीं बैठने वाले नहीं हैं। वे सरकार के इस निर्णय के विरूद्ध कोर्ट जांएगे। इनका प्रयास होगा कि कुश्ती संघ उनके हाथ से न जा पाए।

सरकार ने नए चुनाव को रद्द करके यह संदेश देने का प्रयास किया है कि निश्चित रूप से कुश्ती संघ को नियमों का पालन करना होगा और किसी तरह की कोई कोताही बरतने से परहेज़ रखना होगा। खेल संघ से राजनैतिक लोगों को दूर रखने के लिए सरकार को काम करना चाहिए। खिलाड़ी भी यदि राजनीति में आ जाए तो उसे भी खेल संघ से बाहर ही रखा जाना चाहिए। सुप्रीम कार्ट भी खेल संघों में राजनैतिक दखल को लेकर चिंता जता चुका है। किंतु हुआ कुछ नहीं। खेल संघों में खिलाडी होने चाहिए। वे खेल और खिलाड़ी को ज्यादा समझते हैं। राजनेता नहीं। मंत्रालय को बेपटरी हुए कुश्ती संघ को पटरी पर लाने उसमें खिलाडियों और पहलवानों का विश्वास जमाने को बहुत कुछ करना होगा। संघ में खिलाड़ी लाने होंगे। अच्छा रहें कि कुश्ती संघ की गरिमा बचाने और बेटी की सुरक्षा की चिंता करते परिवारजनों को आश्वास्त करने के लिए कुश्ती संघ का अध्यक्ष किसी महिला खिलाड़ी को बनाए।

अपने ही समर्थकों को दिग्भ्रमित करता मोदी का ईसाई-प्रेम

हर साल पड़ने वाला क्रिसमस इस मायने में थोड़ा अलग था। वह ऐसे कि सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन का यह अब तक गोपन रहा पक्ष सामने आया कि ईसाई समुदाय से उनके बहुत आत्मीय सम्बन्ध रहे हैं। मोदी के जीवन में इतनी विविधता है कि उसके सारे आयामों को एकमुश्त उद्घाटित नहीं किया जा सकता। इसलिये वे किश्तों में, ठहर–ठहरकर और माकूल वक्त पर सही खुलासे कर सभी को चमत्कृत करते रहते हैं। इसी क्रम में मसीही समुदाय के एक समारोह में शिरकत करने पहुंचे प्रधानमंत्री ने अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण अध्याय खोलते हुए बतलाया कि श्गुजरात के मुख्यमंत्री रहने के दौरान वे ईसाई धर्मगुरुओं से सतत मिलते रहते थे। जहां से वे चुनाव लड़ते थे, वहां बड़ी संख्या में ईसाई रहते हैं। कुछ साल पहले पोप से मिलने को अपना श्सौभाग्य बतलाते हुए उन्होंने यह भी कहा कि वह उनके लिये यादगार पल था। क्रिसमस में उपहार देने की परम्परा की उन्होंने प्रशंसा करते हुए कहा कि श्सभी को देखना चाहिये कि आने वाली पीढ़ी को कैसे बेहतर धरती का उपहार दे सकते हैं।श उन्होंने यह भी कहा कि श्पवित्र बाइबिल बतलाती है कि भगवान ने हमें जो कुछ दिया है वह दूसरों की सेवा के लिये इस्तेमाल करना चाहिये।श मोदी ने इसे ही श्सेवा परमो धर्मश से निरूपित किया। मोदी ने दर्शन के स्तर पर जाकर कहा कि श्यह संयोग की बात है कि सभी धार्मिक ग्रंथ परम सत्य को जानना चाहते हैं। श्सभी धर्मों के समन्वयश के माध्यम से उन्होंने 21वीं सदी के भारत को नयी ऊंचाइयों तक ले जाने का मार्ग भी बतलायाश। उन्होंने भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार अपनी योजनाओं के लाभों को सभी वर्गों तक पहुंचाने के लिये कटिबद्ध है जिनमें ईसाई समुदाय के गरीब व वंचित लोग भी शामिल हैं।

मोदी का यह बयान ईसाइयों को लेकर सम्भवतरू पहला है। पिछले 10 वर्ष प्रधानमंत्री के रूप में और उसके पहले तीन बार गुजरात के सीएम रहने के दौरान उन्होंने इस अल्पसंख्यक समुदाय के साथ अपनत्व की बातें लोगों को नहीं बतलाई थीं। इसलिये माना जा सकता है कि उनका ईसाइयों से यह पुराना रिश्ता वैसा ही है जिस प्रकार का कई अनेक समुदायों, प्रदेशों, क्षेत्रों से रहता आया है। यहां तक कि मुसलमानों के साथ भी। वे बतला चुके हैं कि उनके एक मित्र अब्बास उनके घर में रहते थे जिन्हें उनकी दिवंगत माताजी पकवान बनाकर खिलाती थीं। हालांकि इस अब्बास मियां को दुनिया वैसी ही ढूंढ रही है जिस प्रकार से लोग वडनगर रेलवे स्टेशन पर उनके हाथ से चाय पीने वालों को खोज रहे हैं या उनके साथ एंटायर पोलिटिकल साइंस में एमए करने वाले सहपाठियों और उन्हें पढ़ाने वाले शिक्षकों को। अब दिग्भ्रमित मोदी समर्थकों और आईटी सेल के कर्मचारियों के लिये नया टास्क है कि वे मोदी की उन तस्वीरों को निकाल लायें जिनमें वे मुख्यमंत्री रहने के दौरान ईसाई धर्मगुरुओं या मसीहियों से चर्चा कर रहे हैं। जाहिर है कि फोटोशॉप तकनीक से ही इसका जुगाड़ हो सकेगा। खैर, मुद्दा यह है कि अगर उनके अनुभव इस छोटे से परन्तु शांतिप्रिय समुदाय के साथ इतने आत्मीय रहे हैं तो वे उस विचारधारा के साथ कैसे जुड़ गये जो इनके प्रति गहन नफरत का भाव रखती है? राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से ज्यादातर वे ही लोग जुड़ते हैं जो अल्पसंख्यकों व ईसाइयों के प्रति बेतरह बैर भाव रखते हैं। मोदी का जुड़ाव भी सम्भवतरू इसी आधार पर हुआ होगा। एक कार्यकर्ता के रूप में हो सकता है कि उनकी सीमाएं रही हों लेकिन पहले सीएम और बाद में देश के सबसे ताकतवर पीएम के रूप में वे ईसाइयों के प्रति घृणा भाव रखने वाले अपने कार्यकर्ताओं व समर्थकों का हृदय परिवर्तन क्यों नहीं कर रहे हैं? आज तो पूरा संगठन, यहां तक कि आरएसएस भी उनकी मुठ्ठी में है। पिछले करीब सौ वर्षों से संघ इस समुदाय के लोगों पर हिन्दू संस्कृति नष्ट करने का आरोप लगाता आया है। जितनी भी जगहों पर इस समुदाय के लोगों पर अत्याचार हुए हैं, ज्यादातर में इन्हीं संगठनों के लोगों की भूमिका रही है, फिर वह चाहे ग्राहम स्टेंस को उनके बच्चों समेत जला देना हो या फिर चर्चों में तोड़–फोड़ करना या उन्हें जलाना हो। संघ–भाजपा के लोगों की दृढ़ मान्यता है कि ये लोग हिन्दुओं का धर्म परिवर्तन कराते हैं। मोदी अपने लोगों को यह समझाने में सक्षम हैं कि इस समुदाय के लोगों के प्रति उन्हें भाई–चारा बनाकर रखना चाहिये। हाल के वर्षों में देश भर के सैकड़ों चर्चों को नष्ट किया गया है। उनके अनेक धर्मगुरुओं पर हमले हुए हैं। कई स्थानों पर तो कई पीढ़ी पहले ईसाई बन गये लोगों को वापस हिन्दू धर्म में लाया जा रहा है। मणिपुर की घटना को भला कौन भूल सकता है जिसमें ईसाई बन गये कुकी आदिवासियों के साथ बेइंतिहा जुल्म ढाये गये। उनके घरों को जलाया गया, दो महिलाओं को नग्न कर उनकी परेड निकाली गयी, हजारों बेदखल हो गये। फिर भी इस धर्म के अनुयायियों के साथ लगाव का दावा करने वाले मोदी चुप रहे। संक्षिप्त सा, कुछ मिनटों के लिये वे बोले भी तो इसलिये क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने चेतावनी दी कि अगर उनकी सरकार ने कुछ न किया तो वह खुद कोई कार्रवाई करेगी। यह किसी भी राष्ट्राध्यक्ष के लिये बहुत शर्म की बात होगी कि इसकी गूंज पूरी दुनिया में सुनी गई। भारत में धार्मिक स्वतंत्रता को बड़ा खतरा बताया गया और इस सूचकांक पर विश्व इंडेक्स में देश की बड़ी फिसलन दर्ज हुई है। यूरोपीय संघ ने इसके खिलाफ आवाज उठाई और मोदी से उनकी अमेरिका यात्रा के दौरान सवाल किये गये। यह अलग बात है कि उन्होंने इसका गोलमोल उत्तर दिया और इस पर तो आश्वासन तक नहीं दिया जब उनसे पूछा गया कि क्या वे इस बाबत कोई कार्रवाई करेंगे। वैसे भी मोदी सहित उनके पूरे वैचारिक कुनबे को भारत की धर्मनिरपेक्ष छवि, आजादी के बाद से देश की घोषित धर्मनिरपेक्षता की नीति तथा समावेशी चरित्र पर हमेशा से आपत्ति रही है। मुस्लिम एवं ईसाई उनकी आंखों में विशेष रूप से खटकते हैं। ये दो समुदाय ही मोदी शासन काल में सर्वाधिक निशाने पर आये हैं जिसे लेकर उनकी सरकार ने कभी कोई कड़े कदम नहीं उठाये। इससे साफ संदेश गया है कि इन पर होने वाली हिंसा, उत्पीड़न और अत्याचार सरकार पोषित–समर्थित है। मोदी को अगर ईसाई समुदायय और पहले जैसा वे कह चुके हैं, मुस्लिम भी– तो इन दोनों की सुरक्षा व उनके विकास की जिम्मेदारी उन्हें दिखने लायक उठानी होगी। जुबानी जमा–खर्च से काम नहीं चलेगा। शायद मोदी का यह बयान एक ओर अंतरराष्ट्रीय समुदाय को संतुष्ट करने के लिये है, तो वहीं आगामी वर्ष के मध्य में होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर वे इस समुदाय को साधने की कोशिश कर रहे हैं। वैसे उनके प्रयासों को बहुत सफलता मिलने की इसलिए उम्मीद नहीं है क्योंकि लोग देख रहे हैं कि एक ओर तो मोदी हमेशा की तरह इस समुदाय के साथ आधारहीन होकर व खुदगर्जी के चलते नाता जोड़ रहे हैं, तो दूसरी ओर उनके समविचारी कहीं सांताक्लाज के पुतले जला रहे हैं या क्रिसमस के रंग में भंग करने पर आमादा हैं। अगर यह बात सच है कि मोदी के ईसाइयों से अच्छे ताल्लुक रहे हैं तो उनकी सुरक्षा व सम्मान को बरकरार रखा जाये।

सैलाब के सवाल

यह अच्छी बात है कि साल के समापन और नये साल के स्वागत से जुड़े आयोजनों व पर्यटन के लिये हिमाचल की वादियों में सैलानियों का सैलाब उमड़ा है। यह सुखद है कि मानसून की अतिवृष्टि से आहत हिमाचल में अरसे बाद पर्यटन की रंगत नजर आ रही है। होटल–गेस्ट हाउस फुल हैं। अटल टनल से लेकर सड़कों तक में कारों के काफिले ही काफिले नजर आ रहे हैं। निश्चित रूप से हिमाचल की आर्थिकी के लिये यह शुभ संकेत हैं। लेकिन इसके बावजूद हमें पहले पर्यटन के अनुरूप ढांचा भी तैयार करना है। यह अच्छी बात नहीं है कि शिमला व कुल्लू मनाली की तरफ जाने वाले हाईवे पर कारों के कई किलोमीटर लंबे जाम नजर आ रहे हैं। यह तार्किक है कि जब देश के विभिन्न भागों से लोग नया साल का जश्न मनाने पहाड़ों की तरफ आ रहे हैं तो उनकी सुख–सुविधा का ख्याल रखना भी जरूरी है। जिन स्थानों पर अक्सर जाम लगता है, वहां ऐसी वैकल्पिक व्यवस्था होनी चाहिए जो पर्यटकों के लिये राहतकारी हो। आसपास जरूरी चीजों की दुकानों,पानी और प्रसाधन आदि की व्यवस्था होनी चाहिए। कहीं न कहीं वाहनों के पंजीकरण और सड़कों पर वाहनों के दबाव को नियंत्रित करने का प्रयास किया जाना चाहिए। ऑनलाइन पंजीकरण के जरिये वाहनों का आगमन नियंत्रित किया जा सकता है। पर्यटन के सीजन में शासन–प्रशासन को भी पर्यटकों की सुख–सुविधा का विशेष ख्याल रखना चाहिए। प्रयास हो कि पर्यटकों से वस्तुओं के जायज दाम लिए जाएं। अक्सर देखा जाता है कि पीक सीजन में होटल मालिक पर्यटकों से मनमाने किराये वसूलते हैं। सामान के दाम भी महंगे हो जाते हैं। प्रयास हो कि बाहर से आने वाला पर्यटक राज्य से अच्छा अनुभव लेकर जाए। इसके अलावा यह भी है कि राज्य का पर्यटन विभाग राज्य के नये पर्यटक स्थलों को प्रचारित–प्रसारित करे। जिससे परंपरागत पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों का दबाव कम हो सके। साथ ही पहले ही आबादी के बोझ से चरमरा रहे हिल स्टेशनों को कुछ राहत मिल सके।लेकिन वहीं सरकार को हाल के मानसून में अतिवृष्टि से बाढ़ व भूस्खलन की त्रासदी को याद रखना चाहिए। हमें पर्यटन को तो बढ़ावा देना चाहिए लेकिन पहाड़ के पर्यावरण को भी बचाने का प्रयास करना चाहिए। हमें तात्कालिक आर्थिक हितों के बजाय पहाड़ों के दूरगामी भविष्य को ध्यान में रखना चाहिए। पहाड़ के साथ सहजता व सामंजस्य का व्यवहार अपरिहार्य है। दरअसल, हिमालय के पहाड़ अपेक्षाकृत नये हैं,जिन पर आधुनिक विकास व निर्माण का ज्यादा बोझ नहीं डाला जा सकता। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि तमाम पर्यावरणवादी मानते रहे हैं कि ये पहाड़ फोर–लेन के लिये नहीं बने हैं। सड़कों के विस्तार के लिये जहां पहाड़ों की जड़ों को खोदा गया,वहां इस बार भूस्खलन का ज्यादा प्रकोप देखा गया। हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि पहाड़ हमारी विलासिता के लिये नहीं बने हैं। ये अध्यात्म के स्थल भी हैं और आस्था के केंद्र भी हैं। पर्यटक पहाड़ों पर सिर्फ मौज–मस्ती के लिये न आयें। प्रकृति के सौंदर्य का भी संरक्षण जरूरी है। वह तभी संभव है जब हमारा व्यवहार पहाड़ की संस्कृति के अनुरूप होगा। इसके लिये जरूरी है कि हम पर्यावरण व प्रकृति की गरिमा के अनुरूप व्यवहार करें। आज जब पूरा विश्व ग्लोबल वार्मिंग के घातक प्रभावों से जूझ रहा है तो देश के पर्यावरण और मौसम को प्रभावित करने वाले पहाड़ों के परिवेश का संरक्षण बेहद जरूरी है। हाल के दिनों में जोशीमठ के भूस्खलन के बाद यह बात सामने आई है कि पहाड़ जनसंख्या के बोझ से चरमरा रहे हैं। हिमाचल के कई जिले इस दृष्टि से संवेदनशील पाये गये हैं। नीति–नियंताओं को विकास व पर्यटन की दृष्टि से पहाड़ों के साथ संवेदनशील व्यवहार करना चाहिए। हमें न केवल वर्तमान को सुखदायी बनाना है बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिये पहाड़ों का पर्यावरण संरक्षित भी करना है। पहाड़ सुकून के लिये हैं, हमारी भोग–विलासिता के लिये नहीं है। यह बात सरकारों को भी ध्यान में रखनी है और पर्यटकों का आचरण भी इसके ही अनुरूप होना चाहिए।

संसद के सवाल और विपक्ष का दायित्व

एनडीए सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम शीतकालीन सत्र कई सुलगते सवालों को छोड़ गया है। इन सवालों के जवाब अभी गंभीरता से नहीं तलाशे गए, तो फिर देश में लोकतंत्र और संसदीय परंपराओं को उखड़ने से रोक पाना कठिन हो जाएगा। संसद पर हमला, 146 सांसदों के निलंबन के बाद अब ये तथ्य भी सामने आया है कि संसद में दोनों सदनों में विपक्ष के सांसदों द्वारा पूछे गए 264 सवालों को प्रश्नों की सूची से हटा दिया गया है। ये तमाम बातें भारत के संसदीय इतिहास में पहली बार ही हो रही हैं। 76 साल की आजादी और लोकतंत्र के दीर्घ अनुभव के बाद संसदीय कामकाज में परिपक्वता, धैर्य और संयम दिखाई देने चाहिए थे, लेकिन फिलहाल लग रहा है कि हमें संसदीय तकाजे का ककहरा फिर से सीखना पड़ेगा। गौरतलब है कि इस शीतकालीन सत्र में संसद पर एक और हमले की कोशिश की गई थी। एकबारगी यह हमला मौजूदा सरकार की नीतियों और फैसलों के खिलाफ दिखाई देता है। लेकिन अगर देश के एक तबके में भाजपा के शासन को लेकर इतनी अधिक नाराजगी व्याप्त है कि उसके लिए संसद पर हमले का दुस्साहस किया जाए, तो फिर यह नाराजगी चुनावी नतीजों में क्यों नहीं दिखाई देती। क्या संसद पर हमला करने वाले जानते नहीं थे कि इसका अंजाम क्या होने वाला है। क्या कानून की कड़ाई का अंदाज होने के बावजूद उन्होंने इस जोखिम को उठाया और अपना भविष्य, जीवन सब कुछ खतरे में डाला। कुछ लोगों का पूरे योजनाबद्ध तरीके से संसद के बाहर और भीतर आकर विरोध दिखाना किसी नजरिए से मामूली घटना नहीं है, लेकिन इस पर सरकार का रवैया देखकर यह लग ही नहीं रहा कि उसे किसी बात की चिंता हुई हो। क्या भाजपा अपने बहुमत को कवच इस कदर अभेद्य मानने लगी है कि उसे इस बात से भी फर्क नहीं पड़ रहा कि दो लोग संसद के भीतर आकर धुआं छोड़ गए। संसद पर हमले को लेकर भाजपा सरकार का रवैया जितना आश्चर्यजनक रहा, उससे कहीं अधिक आश्चर्य यह देखकर हुआ कि गृहमंत्री से सदन में जवाब की मांग कर रहे विपक्ष के 146 सांसदों को दो–तीन दिन के भीतर निलंबित कर दिया गया। सदन पर हुए हमले का जवाब अगर सदन में नहीं मांगा जाएगा, तो फिर उसके लिए कौन सी अन्य जगह उपयक्त है, यह भी भाजपा को बता देना चाहिए। लगभग डेढ़ सौ सांसदों का निलंबन काफी नहीं था कि संसद के दोनों सदनों की सूची से उन 264 सवालों को भी हटा दिया गया, जो विपक्षी सांसदों ने पूछे थे। सरकार से पूछा जाना चाहिए कि क्या इन सवालों से भी सदन की कार्रवाई में व्यवधान पड़ रहा था। उल्लेखनीय है कि सांसदों के निलंबन के बाद लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी एक परिपत्र में कहा गया है कि निलंबन अवधि के दौरान सांसदों के नाम के तहत सूचीबद्ध किसी भी कार्य या उनके द्वारा पेश किए गए नोटिस पर विचार नहीं किया जाएगा। संसद के प्रश्नकाल और शून्यकाल सांसदों को प्रश्न पूछने और सरकार के खिलाफ विचार व्यक्त करने की अनुमति देते हैं। इससे पहले भी विभिन्न सत्रों में सांसदों के निलंबन होते रहे हैं, लेकिन ऐसा शायद ही कभी हुआ हो कि निलंबन के साथ ही सांसदों के सवाल उठाने के संवैधानिक अधिकार को भी खत्म कर दिया गया है। ऐसा नहीं है कि खारिज किए गए सभी 264 सवाल संसद की सुरक्षा के मसले से ही जुड़े थे, अगर जुड़े होते तब भी सरकार को इनका जवाब देना चाहिए था। लेकिन ये सवाल जनता के हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर आधारित थे। जैसे राजद सांसद मनोज झा ने शिक्षा मंत्रालय से दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षकों के श्बड़े पैमाने पर हटानेश संबंधी सवाल किए थे। माकपा के सांसद जॉन ब्रिटास ने समान नागरिक संहिता के कार्यान्वयन पर कानून मंत्रालय से जानकारी मांगी थी। मगर अब इनका जवाब देने से मौजूदा सरकार बच गई है। सांसदों के निलंबन की कार्रवाई तो बाद में हुई, लेकिन संसद के नियमानुसार ये सवाल लगभग दो सप्ताह पहले ही लिखित में दिए जा चुके थे। फिर इन्हें सूची से हटाना क्या न्यायोचित कहा जा सकता है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जंतर–मंतर पर किए गए प्रदर्शन के दौरान कहा था कि 146 सांसदों को निलंबित करके लगभग 60 प्रतिशत जनता की आवाज को खामोश कर दिया गया है। संसद की सूची से सवालों को हटाना इस आरोप की ही पुष्टि करता है। शीतकालीन सत्र में उठे इन सुलगते सवालों के जवाब तलाशना इसलिए जरूरी है क्योंकि दांव पर जनता और देश का हित जुड़ा है। अब प्रश्न ये है कि अगर कार्यपालिका, विधायिका, न्यायपालिका और इनका संगी बन चुका मीडिया भी अगर इन सवालों से मुंह मोड़ ले तो फिर विपक्ष को क्या करना चाहिए। क्या विपक्ष लोकतंत्र बचाने के लिए केवल जुबानी जमा–खर्च करता रहेगा या राहुल गांधी जैसे दो–चार लोगों पर सड़कों पर उतरने का जिम्मा छोड़ देगा। अगर विपक्ष सड़क पर आता भी है तो क्या वह जनता तक अपनी बात पहुंचाने की तैयारी कर चुका है, या अब भी वो इंतजार में बैठा है कि कोई और आकर उसके हिस्से के काम करेगा। कायदे से अब विपक्षी सांसदों को अपने–अपने संसदीय क्षेत्र जाकर जनता से जुड़ने का काम शुरु कर देना चाहिए। संसद के पटल से जिन सवालों को हटा दिया गया है, उन्हें जनता के बीच जाकर उठाना चाहिए, वहां तो निलंबन की कार्रवाई का कोई परिपत्र असरकारी नहीं रहेगा। विपक्षी नेताओं को भाजपा के सांसदों और मंत्रियों के क्षेत्रों में जाकर उन सवालों को उठाना चाहिए, जिनके जवाब संसद में दिए जाने चाहिए थे, मगर नहीं दिए गए। विपक्ष जब तक अपने अस्तित्व का अहसास जनता को नहीं कराएगा, तब तक सारे विरोध–प्रदर्शन और सवाल बेकार रहेंगे।

भारतीय फौज और 'इंसानियत'

भारतीय सेना के आदर्श लक्ष्यों में से एक यह भी है कि यह इंसान और इंसानियत की रक्षा के लिए भी प्रतिबद्ध रहती है। अतः इसकी हर कार्रवाई दुश्मन के खात्मे साथ ही इंसानों के जायज हकों की रक्षा के लिए भी होती है। जम्मू–कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्रों में जिस तरह पाकिस्तानी आतंकवादी घुसपैठिये आकर वहां तैनात सुरक्षा बलों के जांबाज सिपाहियों को चकमा देकर भारतीय इलाकों में तबाही मचाने की कोशिशें करते रहते हैं उन्हें उनके अंजाम तक पहुंचाना सुरक्षा सैनिकों का कर्त्तव्य बनता है परन्तु इस कार्य को अन्तिम परिणिती तक पहुंचाने में यदि कोई भारतीय कश्मीरी नागरिक जुल्म का शिकार बनता है तो उसका प्रतिकार उसी तरह से होना जरूरी है जिसकी व्यवस्था हमारे संविधान में है और उसमें प्रत्येक नागरिक को जीवन जीने का मौलिक अधिकार मिला हुआ है। उसकी जिन्दगी जीने के अधिकार को कोई भी बड़ी से बड़ी ताकत नहीं छीन सकती। विगत गुरुवार को जम्मू–कश्मीर के पुंछ क्षेत्र में पाक घुसपैठियों ने घुसकर भारतीय सीमाओं की रक्षा कर रहे चार सुरक्षा सैनिकों की हत्या कर डाली और उनकी पकड़–धकड़ करने की मुहीम के चलते सेना ने आठ नागरिकों को शक के घेरे में लेकर उनसे कड़ी पूछताछ की। ऐसा आरोप लगाया जा रहा है कि इनमें से तीन की पूछताछ के दौरान मृत्यु हो गई और पांच अन्य गंभीर रूप से जख्मी हो गये जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इन्ही जख्मी पांच नागरिकों में से एक 52 वर्षीय मोहम्मद अशरफ ने कहा है कि उसके साथ चार अन्य नागरिकों को भी सेना के अफसरों ने अपनी गिरफ्त में लिया और उन्हें नंगा करके लाठी व सरियों से पीटा गया तथा उनके जख्मों पर मिर्ची मली गई। इन पांचों को घुसपैठियों से सेना की हुई मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया था जिसमें चार वीर सैनिकों की शहादत हुई थी। इसके बाद की सैनिक पूछताछ के दौरान तीन अन्य गिरफ्तार किये गये नागरिकों के शव भी मिले। इससे न केवल जम्मू–कश्मीर में बल्कि पूरे देश में ही बेचौनी का वातावरण पैदा हो गया और सेना के मुख्यालय ने पूरे मामले की अपने सैनिक तन्त्र के भीतर न्यायिक जांच कराने के आदेश दिये तथा एक ब्रिगेडियर समेत तीन आला फौजी अफसरों को उनकी मौजूदा ड्यूटी से हटने के आदेश जारी किये। मामले ने इस कदर गंभीर रुख लिया कि फौज के जनरल मनोज पांडे को भी पुंछ सैनिक क्षेत्र का दौरा करके आश्वासन देना पड़ा कि पूरे वाकये की बाकायदा पक्की जांच कराई जायेगी और जो भी दोषी पाया जायेगा उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जायेगी। अब यह समझा जा रहा है कि 27 दिसम्बर को रक्षामन्त्री श्री राजनाथ सिंह भी पुंछ क्षेत्र का दौरा करेंगे और स्थिति का जायजा लेंगे। रक्षामन्त्री की जिम्मेदारी सीमाओं की सुरक्षा की होती है और इस काम में देश के हर नागरिक का समर्थन उनके साथ होता है। जम्मू–कश्मीर के सन्दर्भ में यह दायित्व और भी अधिक संवेदनशीलता के साथ यहां के नागरिक निभाते आ रहे हैं और यह सिद्ध करते आ रहे हैं कि वे कश्मीरी भले ही हों मगर भारत के सम्मानित नागरिक भी हैं। पाकिस्तान के इस्लामी हुक्मरानों की लाख साजिशों के बावजूद उनकी वफादारी हमेशा भारत के साथ रही है और जब भी पाकिस्तान की नामुराद फौजों ने भारत पर हमला करने की कोशिश की है तो उसकी हरकतों के बारे में भारतीय सेना को पहली खबर भी उन्होंने ही दी है। अतः न केवल कश्मीर भारत का है बल्कि हर कश्मीरी भी भारत का वैसा ही सम्मानित नागरिक है जैसा कि देश के अन्य किसी राज्य उत्तर प्रदेश या तमिलनाडु का। अब 370 हटने के बाद तो भारत का पूरा संविधान इकसार तरीके से हर कश्मीरी पर लागू होता और उसके अधिकार व हक भी इसके अनुसार ही उसे मिलते हैं। अतः यदि किसी कश्मीरी नागरिक के साथ अन्याय हुआ है तो उसे न्याय हर हालत में मिल कर ही रहेगा। श्री राजनाथ के पुंछ दौरे के पीछे का उद्देश्य भी यही लगता है। हमें यह भी अच्छी तरह मालूम है कि पाकिस्तान किस तरह जम्मू–कश्मीर में भारतीय सेना की मौजूदगी को लेकर अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत के खिलाफ जहर उगलता रहा है। हालांकि अब पूरी दुनिया के सामने यह साफ हो चुका है कि पाकिस्तान ही पूरी दुनिया में ऐसा मुल्क है जिसे दहशतगर्दों की जरखेज जमीन कहा जाता है परन्तु पूर्

सरकारी स्तर पर धार्मिक क्रयाएं आयोजित कराने संबंधी मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश के आदेश को तत्काल निरस्त किया जाये : भाकपा

लखनऊ,(यूएनएस)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव द्वारा सभी जिलाधिकारियों और मंडलायुक्तों को भेजे उस आदेश, जिसमें प्राण प्रतिष्ठा से पहले सरकारी स्तर पर धार्मिक क्रियाएं आयोजित कराने का निर्देश दिया है, को संविधान विरोधी बताते हुये इसे तत्काल प्रभाव से रद्द करने की मांग की है। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले भगवा माहौल बनाने के उद्देश्य से किए जा रहे इन आयोजनो में भाजपा और उसकी डबल इंजन सरकारों ने सारी संवैधानिक मर्यादायें लांघ कर पूरी शासकीय मशीनरी झोंक दी है। मुख्य सचिव के इस फरमान के मुताबिक मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को मकर संक्रान्ति से लेकर 22 जनबरी को होने वाले प्राण–प्रतिष्ठा समारोह तक, सरकारी तौर पर विभिन्न आयोजन कराने हैं। यहां जारी एक प्रेस बयान में भाकपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य डा० गिरीश ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर ट्रस्ट द्वारा कराये जा रहे मंदिर निर्माण जो कि एक धार्मिक क्रिया है, को राजनैतिक रूप से भुनाने के उद्देश्य से आरएसएस और भाजपा ने एक राज्य प्रायोजित घटना में बदल दिया है। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री–उत्तर प्रदेश एवं दोनों सरकारों के अन्य पदाधिकारी इन आयोजनों में पूरी तरह से लिप्त हैं। इन आयोजनों में उनके द्वारा जनता के धन का अपव्यय भी बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। जबकि माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कहा है कि भारत में शासन का मूलभूत सिध्दांत यह है कि संविधान के अंतर्गत भारतीय राज्य कोई धार्मिक संबद्धता नहीं रख सकता। लेकिन सत्तारूढ़ शासन समूह द्वारा उपर्युक्त आयोजन में इस मर्यादा का लगातार उल्लंघन किया जा रहा है।डा० गिरीश ने आरोप लगाया कि उपर्युक्त आयोजन के माध्यम से अपने दल के लिये वोट उत्पादन में अति व्यस्त डबल इंजन सरकार जनता के प्रति अपने दायित्वों की पूरी तरह से भूल चुकी हैं। हालात यह हैं कि अभी तक लोग डेंगू से मर रहे थे तो अब सर्दीजनित अस्थमा और हृदय रोगों के शिकार बन रहे हैं। सरकारी अस्पताल चिकित्सकों, विशेषज्ञों, उपकरणों और उसके तकनीशियनों की कमी से जूझ रहे हैं तो निजी अस्पतालों में इलाज बेहद महंगा बन चुका है। कानून–व्यवस्था ध्वस्त पड़ी है और महंगाई बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने लोगों का कचूमर निकाल रखा है। सरकार को चाहिये कि पहले वो राजधर्म निभाये और सुशासन से वोटों की उम्मीद लगाए।

जहां जन्मे राम, स्वच्छ रहे वह अयोध्या धाम

डिप्टी सीएम केशव ने लगाई झाड़ू, पीएम के दौरे को लेकर कर रहे कैम्प

लखनऊ। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 दिसम्बर को अयोध्या आ रहे हैं। पीएम के दौरे के मद्देनजर सूबे के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य अयोध्या में कैम्प कर रहे हैं। कही कोई कमी न रहे ,इस बाबत वे खुद हर पहलू और हर जगह की गहन छानबीन कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य 30 दिसंबर तक अयोध्या में ही कैंप करेंगे। ऐसा पहली बार है जब डिप्टी सीएम किसी बड़े आयोजन के लिए एक जिले में छह दिनों तक प्रवास कर रहे हैं। वे सोमवार की सुबह ही अयोध्या में हैं।अयोध्या धाम को स्वच्छ नगरी बनाने के लिए बुधवार को उन्होंने झाड़ू लगाकर और कूड़ा उठाकर स्वच्छता का संदेश दिया। आज अशर्फी चौराहे तथा आसपास के क्षेत्र को साफ सफाई में सभी ने अपना श्रमदान दिया। उप मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगो को कपड़े के बैग वितरित कर प्लास्टिक से मुक्ति के लिए प्रेरित भी किया।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान जो कि आगे भी जारीरहेगा। हर वार्ड के सदस्य इस जन आंदोलन में भाग ले रहे हैं और अयोध्या को स्वच्छ और सुंदर बना रहे है।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या वासियों सहित असंख्य राम भक्तों का सपना अब साकार होने वाला है, 22 जनवरी को प्रभु श्री राम अपने जन्म स्थान में बन रहे भव्य व दिव्य मन्दिर में विराजमान होंगे। अनेक प्रकार के सुंदर–मंगल साज सजाए गए है।रामराज की तरह सज रही अयोध्या में एंट्री करते ही श्रद्धालु सनातन कल्चर में डूब रहे हैं,वहीं दीवारें भी अलग–अलग कलाकृतियों से सजाई जा रही हैं।उन्होंने स्वच्छता अभियान से जुड़ने के लिए नगरवासियों का आह्वान किया। उन्होंने नारा दिया श्जहां जन्मे राम, स्वच्छ रहे वह अयोध्या धामश।अयोध्या में बन रहे मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम एयरपोर्ट का अफसरों के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने कहा अयोध्या को विश्व स्तरीय नगरी का स्वरूप दिया जाना है। इसके लिए सबसे पहले इसे स्वच्छ बनाना होगा। यह काम सिर्फ सरकारी विभागों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है। हर अयोध्यावासी को भागीदारी निभानी होगी। मौर्य ने एयरपोर्ट पर रनवे, कार्यालय आदि का निरीक्षण किया। अफसरों से अब तक की तैयारियों और नागरिक सुविधाओं की जानकारी ली। कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रतापशाही , बीजेपी के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा ,प्रदेश महामंत्री संजय राय, क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा , जिलाध्यक्ष संजीव सिंह व कमलेश श्रीवास्तव, सांसद लल्लू सिंह, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष रोलीसिंह विधायक रामचंद्र यादव, वेद प्रकाश गुप्ता व डा अमित सिंह चौहान, पूर्व मेयर ऋषिकेश उपाध्याय, पूर्व महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी उपस्थित रहे।

1.38 लाख सैलरी और 15 हजार मिलेगा बोनस

इजराइल में काम करने वर्कर भेजेगी यूपी सरकार,पासपोर्ट नही तो बनवा सकते तत्काल

लखनऊ,(यूएनएस)। निर्माण क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मेहरबान है। यूपी सरकार 16 हजार श्रमिकों को इजराइल भेजेगी। पहले चरण में 10 हजार काम करने के इच्छुक निर्माण श्रमिकों की लिस्ट तैयार है।इनको नववर्ष में जनवरी के अंत तक भेजा जाएगा। निर्माण श्रमिकों को कम से कम एक वर्ष अथवा 3 वर्ष तक सेवा अनिवार्य रूप से देनी होगी। कामगारों को अंग्रेजी भाषा बोलने, लिखने व समझने का ज्ञान होना चाहिए। श्रमिक और उसके परिवार के लोगों में इससे पूर्व इजरायल में काम न किया हो। कामगारों को एक लाख 38 हजार प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा। 15 हजार रुपए प्रतिमाह बोनस व फंड भी मिलेगा। निर्माण श्रमिक की आयु 21 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आने जाने का किराया नहीं मिलेगा। पासपोर्ट न होने पर तत्काल बनवा सकते है। श्रम विभाग के जरिए इजरायल में जाकर कामगारों को अच्छी सैलरी पाने के लिए आवेदन मांगें गए हैं। निर्माण श्रमिकों को एनएसडीसी यानि नेशनल स्किल डवलपमेंट कारपोरेशन इंटरनेशनल के जरिए भेजा जाएगा। इच्छुक लोगों के पास काम का अनुभव होने के साथ हाईस्कूल तक शिक्षा जरूरी है जबकि आयु 25 से 45 साल के बीच हो। इजराइल जाने वाले निर्माण श्रमिकों को हर माह 6100 इजराइली न्यू शेकेल करेंसी मिलेगी जो भारतीय मुद्रा में करीब 1 लाख 38 हजार रुपये होगी। जाने वालों को अपने रहने और चिकित्सा बीमा का पैसा खुद देना होगा। श्रम प्रवर्तन अधिकारी के मुताबिक इजराइल में निर्माण श्रमिकों की आवश्यकता है। श्रमिक इजराइल में काम का इच्छुक है तो आवेदन श्रम कार्यालय में जमा कर सकता है। सिरेमिक टाइल, प्लास्टरिंग, फ्रेमवर्क ,शटरिंग कारपेंटर, आयरन बेंडिंग आदि में जॉब हैं। श्रमिक जल्द आवेदन कर सकते हैं।

प्राथमिक स्कूल में घुसे 20 से ज्यादा गोवंश,बच्चों को क्लास में बंद करके शिक्षकों ने बचाई जान

अलीगढ़,(यूएनएस)। जनपद में गोवंशों का आतंक लगातार सामने आ रहा है। कुछ दिन पहले ही गोवंशों ने अतरौली में एक व्यक्ति की जान ले ली थी। वहीं बुधवार को अतरौली के गांव दलपतपुर औरैनी में दर्जनों की संख्या में गोवंश बुधवार को एक

प्राथमिक विद्यालय के अंदर घुस गए। इतनी बड़ी संख्या में गोवंशों के स्कूल के अंदर देखकर शिक्षकों के हाथ पांव फूल गए और उन्होंने तुरंत बच्चों को क्लास के अंदर बंद किया। घंटो मशक्कत चलती रही और बड़ी मुश्किल से शिक्षकों ने गोवंशों को बाहर निकाला। वहीं घटना की जानकारी मिलने पर शिक्षा विभाग और प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। गोवंशों के कारण ग्रामीण लगातार परेशान हो रहे हैं। उनकी फसलों का भी गोवंश नुकसान कर रहे हैं। इसी से तंग आकर ग्रामीणों ने बुधवार को गोवंशों को लाठी लेकर दौड़ा लिया था। गोवंशों को दौड़ाते हुए ग्रामीणों ने ही स्कूल परिसर के अंदर बंद कर दिया। डर के मारे गोवंश दीवार फांदकर भागने की कोशिश कर रहे थे। वहीं दूसरी ओर इतनी बड़ी संख्या में गोवंशों को देखकर शिक्षकों की हालत खराब हो गई। उन्होंने मैदान में खेल रहे बच्चों को तुरंत क्लास के अंदर किया और इसकी जानकारी तत्काल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दी। घंटों तक गोवंश स्कूल के अंदर ही बंद रहे। काफी देर बाद गोशाला की गाड़ियां बुलाई गई और उसमें लादकर गोवंशों को गोशाला में भेजा गया है। सर्दियों का मौसम होने के कारण शिक्षक ग्राउंड में ही बच्चों की क्लास ले रहे थे। अचानक गोवंशों को आते देख कैंपस के अंदर भगदड़ मच गई। वहीं दूसरी ओर ग्रामीण ही गोवंशों को स्कूल के अंदर भेज रहे थे। ऐसे में शिक्षकों ने बच्चों को क्लास के अंदर सुरक्षित करने के बाद बाहर से गेट बंद कर दिया। गोवंशों के कारण पिछले सप्ताह 21 दिसंबर को अतरौली में ही गांव जिरौली के पास डुकरिया वाली प्याऊ पर एक लकड़ी कारीगर की जान चली गई थी। दो सांड आपस में लड़ रहे थे और उन्होंने वहां लकड़ी की टाल पर एक व्यक्ति को उठाकर पटक दिया था। जिसके बाद मृतक के परिजनों ने सड़क जाम करके हंगामा किया था। मौके पर पहुंचे सीओ अतरौली ने परिवार को आश्वासन दिया था कि शासन को पत्र लिखकर उन्हें हर संभव मदद दिलाई जाएगी। स्कूल में गोवंशों के घुसने की घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई। बच्चे स्कूल की दीवारों पर चढ़ गए और उनकी जान को संकट भी हो सकता था। जिसके बाद अधिकारियों ने इस मामले का संज्ञान लिया है और मामले की जांच कराने की बात कही है। एसडीएम अनिल कटियार ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। स्कूल में गोवंशों के घुसने की जांच कराई जाएगी और दोषी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बोरों से भरे कंटेनर में लगी आग,ड्राइवर और खलासी ने कूदकर बचाई जान

उरई / जालौन,(यूएनएस)। जालौन में मंगलवार देर रात एट टोल प्लाजा के पास शॉर्ट सर्किट के कारण बोरों से भरे कंटेनर में आग लग गई। देखते ही देखते

आग ने विकराल रूप ले लिया, जिसे देखकर चालक और खलासी ने कूद कर जान बचाई। इस घटना में कंटेनर में रखे लाखों रुपए के बोरे जलकर खाक हो गये। सूचना पर पहुंची दमकल की गाड़ी ने आग पर काबू पाया, वहीं इस घटना के बाद हाईवे पर जाम लग गया। कड़ी मशक्कत करने के बाद कंटेनर को हटाकर आवागमन शुरू कराया जा सका।

घटना मंगलवार रात झांसी कानपुर नेशनल हाईवे स्थित एट टोल प्लाजा की है। जहां एक कंटेनर कोलकाता से गुजरात जूट के बोरों के बंडल लादकर जा रहा था। जब कंटेनर झांसी कानपुर नेशनल हाईवे 27 स्थित एट कोतवाली क्षेत्र के टोल प्लाजा के पास से निकल रहा था, मगर रात के समय घना कोहरा होने के कारण उसके चालक ने टोल प्लाजा के पास कंटेनर को खड़ा कर दिया। इस दौरान सर्दी को देख चालक और हेल्पर ने कंटेनर में हीटर जलाया जिससे उन्हें ठंड से राहत मिल सके। इसी दौरान दोनों लोग सो गए, तभी शार्ट सर्किट की वजह से कंटेनर में धीरे धीरे आग लग गई, और थोड़ी ही देर में आग की लपटे तेज हो गई, तब चालक और हेल्पर की नींद टूटी, जहां आग की लपटे देख उन्होंने कंटेनर से कूदकर अपनी जान बचाई और दमकल को सूचना दी। मगर देखते ही कंटेनर में आग बढ़ गई और उसमें रखे जूट के बोरों ने आग पकड़ ली, जिसे वह ध्ू धू कर जल उठे। इस घटना के बाद फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय पुलिस की मदद से आग पर काबू पाया, पर तब तक कंटेनर की केबिन व उसमें रखे बोरा के बंडल जलकर नष्ट हो गए। जिनकी कीमत करीब 20 लाख रुपए बताई जा रही। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार गुप्ता का कहना है कि प्रारंभिक जांच में यही लग रहा है कि शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी है। घटना की वजह से काफी देर तक नेशनल हाईवे पर यातायात व्यवस्था भी प्रभावित रही।

बाइक में बैठी युवती को ट्रक ने कुचला, गुस्साए लोगों ने चौराहे पर लगाया जाम

बांदा। जनपद के बबेरू में नो एंट्री के बाद भारी वाहनों की आवाजाही तेज रफ्तार चौराहे में कहर बनकर टूटी। बांदा से बबेरू होकर कमासिन की ओर जा रहे ट्रक ने मुख्य चौराहे में बाइक सवार को टक्कर मार दी। बाइक में बैठी युवती को कुचला दिया, जिसकी मौके पर मौत हो गई। मौत की खबर से चौराहा में भारी भीड़ लग गई। वहीं नो एंट्री के बाद ट्रकों का आवागमन होने से लोगों ने जमकर हंगामा किया। लोगों ने आरोप लगाया कि पैसा लेकर भारी वाहनों को निकाला जा रहा है। काफी देर तक लोग नारेबाजी कर हंगामा करते रहे। वहीं पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बबेरू कस्बा के शिवाजी चौराहा अंबेडकर निवासी टिवंकल (21) पुत्री बबलू वर्मा अपने मौसेरे भाई के साथ बाइक में बैठकर बांदा रोड जा रही थी। उधर बांदा की ओर से आ रहे ट्रक ने मुख्य चौराहा में टक्कर मार दी, जिससे बाइक सड़क में गिर पड़ी। ट्विंकल को ट्रक ने कुचल दिया, जिससे मौके पर मौत हो गई। मौत की खबर से सनसनी फैल गई। लोगो ने चौराहा जाम कर दिया।वही जैसे ही पुलिस को सोचना मिली तो मौके पर पहुंची और लोगों को समझाया बुझाया। वहीं पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कस्बा बबेरू में चौराहे पर मंदिर सामने ट्विंकल अपनी बुआ के यहां अंबेडकर नगर में रहती थी। डीएसपी राकेश सिंह ने बताया है कि पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर थाने में खड़ा कर दिया गया है और परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस भर्ती विज्ञापन पर्याप्त नहीं युवाओं की कुल मांगों का महज एक हिस्सा

आम चुनावों तक सभी 6 लाख रिक्त पदों को भरने की गारंटी करे सरकार

लखनऊ, (यूएनएस)। 5 साल के लंबे अंतराल और युवाओं के द्वारा लगातार मांग करने के बाद आखिरकार सरकार ने सुध ली और देर से ही सही पुलिस भर्ती विज्ञापन जारी किया लेकिन यह कतई पर्याप्त नहीं है। पुलिस भर्ती विज्ञापन को लेकर सरकार वाहवाही में लगी है जबकि यह युवाओं की कुल मांगों का महज एक हिस्सा है। वास्तव में अगर सरकार युवाओं के भविष्य के प्रति जरा भी गंभीर है तो सभी रिक्त पदों को भरने का चुनाव में किया अपना वायदा निभाए और आम चुनावों तक सरकारी विभागों में रिक्त पड़े 6 लाख पदों को भरने की गारंटी करे। संयुक्त युवा मोर्चा टीम उत्तर प्रदेश की ओर से राजेश सचान द्वारा जारी बयान में बताया गया कि रोजगार को मौलिक अधिकार में शामिल करने, एक करोड़ रिक्त पदों को भरने जैसे सवालों को लेकर देशव्यापी अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश भर में संवाद व संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। इसी अनुक्रम में हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी खासतौर पर प्रदेश में रिक्त पड़े 6 लाख से ज्यादा पदों को अविलंब भरने के सवाल पर प्रयागराज में 12 दिसंबर से धरना चल रहा है। आज प्रयागराज में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन का हवाला देकर धरना में अवरोध उत्पन्न करने और युवा मंच

अध्यक्ष अनिल सिंह की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कानून व्यवस्था के नाम पर प्रयागराज जिला प्रशासन मनमानी पर उतारू है। दरअसल आचार संहिता लागू होने में ज्यादा वक्त नहीं है ऐसे में आम चुनाव तक सभी रिक्त पदों को भरने के लिए सरकार ठोस कदम उठाए अन्यथा युवा लखनऊ में भी आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य होंगे।

हेड कॉन्स्टेबल ने पत्नी को तमंचा लेकर दौड़ाया,5 साल से विधवा के साथ लिव-इन में रह रहा

अलीगढ़,(यूएनएस)। जनपद में एक हेड कॉन्स्टेबल अपने परिवार को छोड़कर एक विधवा के साथ रह रहा है। जब पत्नी आगरा में उसके पास पहुंची, तो कॉन्स्टेबल उसे मारने के लिए तमंचा लेकर दौड़ पड़ा। इसके बाद परिवार के लोगों ने उसे रोका। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। सिपाही की पत्नी से बुधवार को एसएसपी कलानिधि नैथानी से मिलकर न्याय की गुहार लगाई। एसएसपी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि मामले की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी। बरला थाना क्षेत्र के पिपलिया नगला निवासी भूपेंद्र सिंह यूपी पुलिस में हेड कॉन्स्टेबल के पद पर तैनात है। करीब 24 साल पहले उसकी शादी मंजू देवी के साथ हुई थी। दोनों की तीन संतानें भी हैं। अब सिपाही पूरे परिवार को छोड़कर दूसरी महिला के साथ रह रहा है। सिपाही की पत्नी मंजू देवी ने बताया, वर्तमान में मेरे पति की तैनाती आगरा पुलिस लाइन में है। वह पूरे परिवार को छोड़कर गैर महिला के साथ आगरा में ही रह रहा है। मेरे एक बेटे की उम्र 22 साल, दूसरे की 18 साल है। साथ ही मेरी एक बेटी भी है। लेकिन, मारा पति मुझे खर्च के लिए भी रुपए नहीं देता है। मैं खुद ही जैसे–तैसे करके अपने बच्चों का खर्च उठा रही हूं। इस समय मैं अपने बच्चों के साथ मथुरा में रह रही हूं। मैंने आगरा, मथुरा समेत हर जगह अधिकारियों से मिलकर न्याय की गुहार लगाई, लेकिन कहीं सुनवाई नहीं हुई। सिपाही की पत्नी ने बताया, मेरा पति एक विधवा महिला के साथ लगभग 5 साल से अलग रह रहा है। मैं कई बार उससे मिली और ऐसा न करने को कहा, लेकिन वह नहीं माना। इसमें मेरी ससुराल के लोग भी उसकी मदद कर रहे हैं। पिछले दिनों जब मैं आगरा अपने पति से मिलने गई थी और उसे समझाने की कोशिश की, तो उसके पति ने मुझे जान से मारने के लिए तमंचा निकाल लिया। वह मुझे जान से मारना चाहता था, लेकिन मेरे बेटों ने मुझे बचा लिया। यह सारी घटना वीडियो में भी कैद हो चुकी है, फिर भी मेरे पति के खिलाफ कार्रवाई नहीं हो रही है। एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत मिली है। मामले की जांच कराई जाएगी। अगर सिपाही दोषी मिला, तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश में पर्यटन स्थलों पर 4.89 करोड़ रूपये साइनेज लगाने हेतु स्वीकृत

लखनऊ, (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि ईको पर्यटन की अपार सम्भावनाओं को देखते हुए राज्य सरकार पर्यटक सुविधाओं का लगातार विस्तार कर रही है। पर्यटन सेक्टर में हितग्राहियों एवं इससे जुड़े हुए लोगों को आकर्षित करने के लिए नई पर्यटन नीति के तहत तमाम सुविधाएं मुहैया करा रही है। इसी क्रम में लगभग 4.89 करोड़ रूपये की लागत से हैदरपुर, वेटलैंड एवं पीलीभीत टाइगर रिजर्व समेत 6 पर्यटन स्थलों पर साइनेज लगाये जाने का निर्णय लिया है। इसके लिए धनराशि जारी कर दी गयी है। प्रदेश सरकार इन पर्यटन स्थलों पर पर्यटक सुविधाओं का विकास कर रही है। प्रथम चरण में एक करोड़ रुपये भी जारी किए जा चुके हैं। योजना के तहत हैदरपुर वेटलैंड बिजनौर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व पीलीभीत, सूर–सरोवर पक्षी विहार आगरा, कतरनिया घाट वन्य जीव विहार बहराइच, राजदरी और देवदरी जल प्रपात चंदौली में साइनेज लगाए जाएंगे। इन साइनेज पर मुख्यरूप से पर्यटन स्थलों के बारे में जानकारी रहेगी।

एलयू मे गूगल डेवलपर स्टूडेंट क्लब के द्वारा "फ्लटर इन अ फ्लैश" पर वेबिनार का हुआ आयोजन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय एलयू के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में गूगल डेवलपर स्टूडेंट क्लब के द्वारा "फ्लटर इन अ फ्लैश" पर अयोजित वेबिनार में प्रतिभागियों को वर्तमान समय की नयी तकनीक फ्लटर से अवगत कराया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता रही, आकांक्षा जैन (गूगल वूमेन टेक मेकर्स एंबेसडर) ने फ्लटर के बारे में बताया कि फ्लटर एक वर्सेटाइल फ्रेमवर है जिसका उपयोग क्रॉस–प्लेटफॉर्म एप्लिकेशन विकसित करने के लिए किया जाता है। जिसमें एंड्रॉइड और आईओएस के लिए मोबाइल ऐप, वेब ऐप और डेस्कटॉप एप्लिकेशन शामिल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि फ्लटर का प्रयोग करने से सिंगल कोड बेस, हॉट रीलोड, कंसिस्टेंट यूआई एक्रॉस प्लेटफॉर्म्स, रिच सेट ऑफ कस्टमाइजेबल विजिट्स, हाई परफार्मेंस, ओपन सोर्स एंड कम्युनिटी सपोर्ट, फास्ट डेवलपमेंट, सपोर्ट फॉर डिफरेंट प्लेटफॉर्म्स, एडाप्टिव एप्स इत्यादि लाभ प्राप्त होते हैं। वक्ता ने फ्लटर पर आधारित विविध प्रकार के फ्लो चार्ट, डायग्राम तथा टेबल का उपयोग करके प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान की। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा यूट्यूब पर इसका लाइव प्रसारण भी किया गया। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संकाय के गूगल डेवलपर स्टूडेंट क्लब के छात्रों प्रियांशी राय, रणजीत सिंह, मृत्युंजय द्विवेदी द्वारा किया गया।

205 तमिल राइटर्स ने किया विश्वनाथ दर्शन,गंगा द्वार की भव्यता देख हुए निहाल

वाराणसी। तमिलनाडु से वाराणसी पहुंचे सिंधु ग्रुप के डेलीगेट्स ने आज बाबा श्रीकाशी विश्वनाथ का दर्शन किया। सिंधु ग्रुप काशी–तमिल संगमम–2 का छठवां डेलीगेशन है। इसमें सभी 205 राइटर्स ही हैं। विश्वनाथ मंदिर बकायदा पुष्प वर्षा और मंत्रों के उच्चारण के साथ सभी डेलीगेट्स का स्वागत किया गया। शंकराचार्य चौक एरिया में सभी गेस्ट दर्शन–पूजन के बाद इकट्ठा हुए। लोक नृत्य और गीतों के माध्यम से बाबा की स्तुति की। मंदिर में पुजारियों ने उन्हें मंदिर के इतिहास एवं सुख सुविधाओं के बारे में काफी डिटेल में जानकारी दी। शंकराचार्य चौक के बाद मंदिर के तमिल राइटर्स डेलीगेट्स गंगा द्वार, माता विशालाक्षी मंदिर और माता अन्नपूर्णा के भी दर्शन किए। गंगा द्वार पर सभी 205 लोगों का दल एक साथ तस्वीरें खिंचवाया। सभी डेलीगेट्स ने अन्नपूर्णा भवन में जाकर दक्षिण भारतीय व्यंजनों का भरपूर लुत्फ उठाया। हर–हर महादेव और ओम नमरू शिवाय के जयकारे भी लगाए। इसके बाद बस में सवार होकर सारनाथ के लिए रवाना हो गए। आज सारनाथ में लेजर होलोग्राफिक शो दिखाए जाएंगे। वहीं, शाम को नमो घाट पर आज 10वां सांस्कृतिक मंचन होगा।

15 लाख के अवैध-शराब को किया गया नष्ट,आपरेशन क्लीन के तहत चलाया जा रहा अभियान

वाराणसी, (यूएनएस)। वाराणसी में लंका थाना क्षेत्र की पुलिस और आबकारी विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 15 लाख रुपए कीमती देशी और अंग्रेजी शराब की खेप पर बुलडोजर चलवाकर नष्ट किया। आपरेशन क्लीन" अभियान के तहत लंका थाने के कुशल नेतृत्व में पूर्व में बरामद हुए अवैध शराब को विनष्टीकरण किया गया है।

अवैध शराब को नष्ट किए जाने को लेकर लंका थाना प्रभारी ने बताया कि अलग–2 ब्राण्ड की कुल 2483 लीटर अवैध अंग्रेजी व देशी शराब जिसकी बाजार में करीब 15 लाख कीमत थी। उसे न्यायालय के निर्देश के बाद आबकारी विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में नष्ट करवाया गया है। गौरतलब है कि लंका पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी के तहत अवैध देशी और अंग्रेजी शराब को बरामद किया था। आबकारी विभाग के अधिकारी पवन मिश्रा ने कहा कि उन्होंने कहा कि पुलिस और अधिकारी विभाग द्वारा मिशन क्लीन चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत जो भी अवैध मदिरा पकड़ा जाता है। उसे समय के अंतर्गत उसके लिए न्यायालय से निर्देश लिया जाता है। इस नियम के अनुरूप समय पर नष्ट करना होता है। उन्होंने कहा कि 2483 लीटर जिसकी अनुमानित कीमत 15 लाख रुपए है। उसे आज नियमानुसार नष्ट किया गया। भेलूपुर एसीपी डाक्टर अतुल अंजान त्रिपाठी ने कहा कि पुलिस महानिदेशक द्वारा एक अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत थानों में जो भी माल पड़ा हैं। उसका निस्तारण किया जाना हैं। उन्होंने कहा कि थाना अंतर्गत जितने भी शराब थे आज उसका निस्तारण किया गया। इसकी अनुमानित कीमत 15 लाख रुपए है।

कोहरे के चलते बदला स्कूलों का समय

अलीगढ़। जनपद में बदले हुए मौसम को देखते हुए प्रशासन ने स्कूलों का समय बदल दिया है। डीएम ने स्कूलों का समय बदलने के निर्देश दिए हैं, जिसके बाद बेसिक शिक्षा अधिकारी ने स्कूलों का समय बदलने के लिए तत्काल आदेश जारी कर दिए हैं। जिले भर में अब कक्षा 1 से 12वीं तक के सभी स्कूल सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक संचालित होंगे। यह आदेश 27 जनवरी से लागू कर दिए गए हैं। डीएम इंद्र विक्रम सिंह के निर्देश के बाद बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ राकेश सिंह ने स्कूलों का समय बदलने के लिए सभी विद्यालयों को आदेश दिया है। पूरे प्रदेश के साथ अलीगढ़ में भी इन दिनों शीतलहर का प्रभाव बढ़ने लगा है। सीजन का पहला कोहरा मंगलवार को जिले में नजर आया था और शहर में भी कोहरे की चादर छा गई थी। इसके साथ ही तापमान में भी गिरावट आई थी और स्कूली बच्चों को परेशानी हुई थी।वहीं दूसरी ओर मौसम विभाग ने अभी तापमान में और गिरावट आने की घोषणा की है। ऐसे में लगातार बढ़ रही ठिठुरन और गिरते हुए तापमान को देखते हुए विद्यालयों के लिए यह आदेश जारी कर दिए गए हैं। ऐसे में स्कूली बच्चे आराम से 10 बजे अपने विद्यालय जाएंगे। जिससे उन्हें सुबह कोहरे में परेशान नहीं होना पड़ेगा और हादसे होने की आशंका भी नहीं रहेगी। बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ राकेश सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशानुसार स्कूलों के समय में परिवर्तन किया गया है। कक्षा 1 से 12वीं तक के सभी विद्यालयों सुबह 10 बजे से ही संचालित होंगे। यह आदेश यूपी बोर्ड के साथ ही सीबीएसई, आईसीएसई, एएमयू समेत अन्य सभी बोर्डों से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में लागू होंगे। बीएसए ने बताया कि अगर किसी विद्यालय ने आदेशों की अवमानना की और निर्धारित समय से पहले स्कूल का संचालन किया तो उसके खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

बजट सरेंडर होने की दशा में अधिकारियों पर होगी कार्रवाई,वन मंत्री वन जमा के बजट को खर्च करने के दिए निर्देश

लखनऊ,(यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के पर्यावरण, वन, जलवायु परिवर्तन एवं जन्तु उद्यान मंत्री डा अरूण कुमार सक्सेना ने कहा सभी वनाधिकारी ये सुनिश्चित करें कि वन जमा के बजट को प्लान के तहत खर्च किया जाये। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वित्तीय वर्ष के अंत से पूर्व विभागीय बजट का शत–प्रतिशत सदुपयोग सुनिश्चित किया जाये। बजट सरेंडर होने की दशा में संबंधित की जवाबदेही तय की जायेगी। उन्होंने अगले तीन माह में पेड़ों की सुरक्षा पर खर्च होने वाली धनराशि का ब्यौरा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। डा सक्सेना ने यह निर्देश आज यहां कुकरैल स्थित मौलश्री प्रेक्षागृह में विभागीय समीक्षा के दौरान दिए। उन्होंने वन निगम के प्रबंधक को यह निर्देश दिया कि अवैध कटान किसी भी दशा में नहीं होनी चाहिए और अवैध कटान होने की स्थिति मे दोषी के विरूद्ध कठोर से कठोर कार्यवाही की जाए। वन मंत्री ने कहा कि आईजीआरएस पर प्राप्त होने वाले प्रकरणों के जल्द से जल्द मानव–पशु संघर्ष ना होने पाये इसके लिए प्रभावी रणनीति के तहत कार्य किया जाये। हाईवे के किनारे वृक्षारोपण कराया जाये इसकी जांच भी मुख्यालय स्तर के अधिकारियों के माध्यम से कराई जायेगी। समीक्षा बैठक में पीसीसीएफ व विभागाध्यक्ष सुधीर कुमार शर्मा, प्रबन्ध निदेशक वन निगम अनुपम गुप्ता समेत अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन संरक्षक एवं वनाधिकारी मौजूद थे।

इंजीनियर हेमंत कुमार के कार्यो का राष्ट्रीय पत्रिका अभियन्ता बंधु में उल्लेख

लखनऊ, (यूएनएस)। कई भाषाओं में तकनीकी लेख प्रकाशित करने वाली अभियन्ता जगत की प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पत्रिका अभियन्ता बंधु 2022 ने इंजीनियर हेमन्त कुमार के कार्यों और उपलब्धियों के बारे में विवरण प्रकाशित किया है। यह विवरण भोपाल के सेवानिवृत्त पूर्व मुख्य अभियन्ता और वरिष्ठ साहित्यकार विवेक रंजन श्रीवास्तव ने लिखा है। अभियन्ता बंधु का प्रकाशन दि इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर किया जाता है। भारत में इसके लगभग 125 सेंटर रहे। विदेश में भी इसके केंद्र हैं। इस अंक को इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स के जबलपुर मध्य प्रदेश केंद्र ने प्रकाशित किया था। इस पत्रिका में हिन्दी, तेलगु, मलयालम, उर्दू तथा मराठी भाषा में तकनीकी लेख छपे हैं। यह देश की प्रमुख तकनीकी पत्रिकाओं में से एक है। इसमें किसी अभियंता के कृतित्व का उल्लेख होना एक प्रकार की उपलब्धि माना जाता है।बहुमुखी प्रतिभा के धनी हेमंत कुमार ग्राम फीना जिला बिजनौर के रहने वाले हैं और वर्तमान में सिंचाई विभाग लखनऊ में सहायक अभियन्ता के रूप कार्यरत हैं। इनको तकनीकी लेखन के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के हिन्दी संस्थान द्वारा प्रतिष्ठित संपूर्णानंद पुरस्कार और जल अभियांत्रिकी में उत्कृष्ट शोध के डॉव ए एन खोसला पदक भी मिल चुका है। हेमन्त स्थानीय इतिहास पर शोधपरक और महत्वपूर्ण कार्य के लिए भी ख्यातिलब्ध हैं। इनके तीन आविष्कारों को भारत सरकार ने पेटेंट प्रदान किया है।

वाराणसी में तमिल शिल्पकार द्वारा तैयार की गई लकड़ी गुड़िया

काशी तमिल संगमम प्रदर्शनी में सभी को कर रही आकर्षित

वाराणसी। वाराणसी के नमो घाट पर काशी तमिल संगमम–2 का आयोजन किया गया हैं। जहां दिन भर में हजारों लोग इसका हिस्सा बन रहे हैं। वहीं इस प्रदर्शनी में तमिल कलाकारों के द्वारा तैयार की गई कलाकृति काशीवासियों को खूब पसंद आ रही हैं। ऐसे ही तमिलनाडु के रहने वाले के रघुनाथम और उनकी पत्नी द्वारा संचालित स्टॉल पर लकड़ी के खिलौनों लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं। तमिल शिल्पकारों के खिलौने को पसंद कर रहे काशीवासी के रघुनाथम अपने पत्नी के साथ पहले बार आयोजित काशी तमिल संगमम में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि काशी के लोगों ने हमारे इस लकड़ी–शिल्पकार को बहुत पसंद किया था। इस बार भी लोग अच्छी खरीदारी कर रहे हैं। के रघुनाथम ने बताया कि वह तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि वह 40 साल से भी अधिक इस कला के प्रति समर्पित रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनके काम के लिए उन्हें राज्य पुरस्कार भी मिल चुका है। के रघुनाथम ने अपने दुकान के बारे में बताया कि हम लोग बच्चों के खेलने के लिए गुड़िया और घर को सजाने के लिए लकड़ी का आइटम बनते हैं। उन्होंने कहा कि यहां आने वाला हर कोई इस खिलौने को पसंद कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस खिलौने को व्हाइट वुड्स से बनाया जाता है। जो काफी मुलायम और मजबूत होता है। के रघुनाथम कहते है कि मुझे यकीन है कि इस तरह के बड़े आयोजन न केवल दोनों स्थानों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करेंगे। बल्कि शिल्पकारों के लिए भी वरदान साबित होंगे। उन्होंने ऐसे आयोजनों को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा भी की और धन्यवाद भी कहा किया। दुकान पर लकड़ी का खिलौना लेने पहुंचे राजू मोहन शर्मा ने बताया कि लकड़ी के जो खिलौने हैं। उससे बच्चे दूर हो रहे हैं। लेकिन आज भी तमिलनाडु में यह लोग लकड़ी का खिलौना तैयार कर रहे हैं। यह काफी अच्छा पहल है। उन्होंने कहा कि हमें यह खिलौना काफी अच्छा लगा और हमने अपने घर के बच्चों के लिए इसे खरीदा है। उन्होंने कहा कि अगर हम अपने बच्चों को इन खिलौनों से जोड़ें, तो प्लास्टिक मुक्त भारत की परिकल्पना पूरी होगी। के रघुनाथम के स्टॉल के अलावा प्रदर्शनी में अन्य स्टॉल भी हैं। तमिलनाडु की संस्कृति और परंपरा को उजागर करने वाले इस कार्यक्रम में देश भर से 1500 से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। लोगों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि यह वर्तमान पीढ़ी के बीच जागरूकता पैदा करेगा। दोनों स्थानों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को उजागर करेगा।

22 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश की संतों ने की मांग

वाराणसी, (यूएनएस)।अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर में होने वाले रामलला के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तैयारियों का दौर चल रहा हैं। पूरे देश में उत्साह का माहौल है। वहीं अखिल भारतीय संत समिति की तरफ से 22 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश किए जाने की मांग को लेकर सरकार को पत्र लिखा गया है। काशी के संतो ने 22 जनवरी के ऐतिहासिक दिन पर सार्वजनिक अवकाश किए जाने की मांग की है। स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने सार्वजनिक अवकाश की मांग किए जाने को लेकर कहा कि भगवान श्री रामलला का प्राण प्रतिष्ठा 495 वर्षो के इंतजार और 77 युद्ध के बाद देश के सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद होने जा रहा है। न्यायालय से नवंबर 2019 को भगवान श्रीराम मंदिर हमें प्राप्त हुआ। लेकिन सनातन धर्म के लोगों ने कोई प्रसन्नता व्यक्त नहीं कर पाया। क्योंकि सरकार ने कहा था कि यदि कोई जुलूस निकाला जाता है, तो कोई अनहोनी हो सकती है। अब भगवान श्रीराम जब इतने लंबे वनवास के बाद अपने जन्मभूमि पर प्रतिष्ठित होने जा रहे हैं, तो हम सभी खुशी कैसे मनाए। अपने इस मांग पत्र में अखिल भारतीय संत समिति ने भारत सरकार से मांग किया है कि भगवान श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को देखने के लिए देश में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाए।

'सिटी ऑन फायरः ए बॉयहुड इन अलीगढ़' पुस्तक पर पैनल चर्चा आयोजित

अलीगढ़,(यूएनएस)। अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के अंतर्गत रैले लिटरेरी सोसाइटी द्वारा 'सिटी ऑन फायरः ए बॉयहुड इन अलीगढ' पुस्तक पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। हार्पर कॉलिन्स द्वारा प्रकाशित पुस्तक, एएमयू के अंग्रेजी विभाग के पूर्व छात्र जेयाद मसरूर खान की पहली कृति है।

पैनल में लेखक जेयाद मसरूर खान, एएमयू के अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष और रैले लिटरेरी सोसाइटी के अध्यक्ष प्रोफेसर मोहम्मद आसिम सिद्दीकी और एएमयू के सामुदायिक चिकित्सा विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. नफीस फैजी शामिल थे। चर्चा का संचालन रैले लिटरेरी सोसाइटी के सचिव शर्मिन अजमल ने किया। फरहीन सहबान के परिचय भाषण के बाद, कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसमें पाठ के साथ–साथ इसके ऐतिहासिक संदर्भ के बारे में व्यावहारिक प्रकाश डाला गया अपने सम्बोधन में लेखक ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय से किसी का साहित्य में जगह बनाना बहुत महत्वपूर्ण है और इसमें केवल मुस्लिम ही नहीं बल्कि सभी वंचित समुदाय शामिल होने चाहिए, जिसमें महिलाएं भी शामिल होंगी, दलित भी शामिल होंगे और वे लोग भी शामिल होंगे जो वर्ग के अनुसार एक निश्चित वंचित वर्ग से आते हैं।इस पुस्तक के लेखन को देश में अपराधीकरण और अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ प्रचलित रूढ़िवादिता के खिलाफ 'अवज्ञा का एक कदम' बताते हुए उन्होंने कहा कि हाशिए पर रहने वाले किसी भी समुदाय के सदस्य के रूप में अपनी कहानी बताने के लिए आवाज उठाना एक विशेषाधिकार है, और इस विशेषाधिकार को स्वीकार करना हमारे कंधों पर एक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी युवा लेखकों से अपने और अपने इतिहास के बारे में लिखना शुरू करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि हर छोटी चीज का अपना मूल्य होता है और यह हमें परिभाषित करता है। उनहोंने कहा कि हम लोग अपनी धार्मिक पहचान से कहीं अधिक हैं। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मोहम्मद आसिम सिद्दीकी ने पुस्तक की स्पष्ट लेखन शैली, भाषा के मौलिक उपयोग और उत्कृष्ट कॉपी संपादन के लिए इसकी सराहना की। इसे 'युवा वर्ग की किताब' के रूप में वर्णित करते हुए, उन्होंने कहा कि हालांकि कई संस्मरण और आत्मकथाएँ, जिनमें नसीरुद्दीन शाह, जमीरुद्दीन शाह, मुजफ्फर अली और उर्दू में लिखे गए कई संस्मरण शामिल हैं, ने विश्वविद्यालय पर काफी कुछ लिखा है, परन्तु 'सिटी ऑन फायर' यह एकमात्र संस्मरण है जो अलीगढ़ शहर के महत्वपूर्ण, हालांकि उपेक्षित क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है। डॉ. नफीस फैजी ने पुस्तक के महत्वपूर्ण सूचनात्मक महत्व पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि 'किसी जगह की जीवनी में, उस जगह पर किसी के मरने की इजाजत नहीं है जहां कहानी कहने वाले लोग रहते हैं। उन्होंने कहा कि हम जिस समय में रह रहे हैं वह विचित्र है, जिसे टोनी मॉरिसन ने 'स्मारकीय असभ्यता' कहा है और ऐसी कई घटनाएं पुस्तक में भी मौजूद हैं जो 'निरंतर परन्तु अन्तर्विभाजित' लगती हैं।चर्चा के बाद प्रश्न–उत्तर सत्र हुआ। शिक्षकों, छात्रों और साहित्य उत्साही लोगों द्वारा कई प्रासंगिक प्रश्न उठाए गए, जिससे सत्र की जीवंतता बढ़ गई। चर्चा के समापन के बाद, प्रोफेसर मोहम्मद आसिम सिद्दीकी, प्रोफेसर समीना खान और प्रोफेसर आयशा मुनीरा रशीद द्वारा पैनलिस्टों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। हार्पर कॉलिन्स पब्लिशिंग हाउस द्वारा कार्यक्रम स्थल पर स्थापित अपने बुक स्टॉल में पुस्तक की कई हार्ड प्रतियां उपलब्ध कराई गईं।

मकान बनाते समय ऊंचाई से गिरकर राजमिस्त्री की मौत

बस्ती,। जिले के बभनान किराना मंडी के पास शिव मंदिर के सामने भवन निर्माण कर रहे राजमिस्त्री की गिरकर मौत हो गई। भवन स्वामी ने आनन फानन में मिस्त्री को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में कार्रवाई की जा रही है। वहीं मकान मालिक ने भी पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद का भरोसा दिया है। गोंडा जिले के छपिया थाना क्षेत्र के चकिया गांव निवासी साहबदीन राजमिस्त्री का कार्य करते थे। उनका काम बभनान निवासी दिव्यांशू जायसवाल के यहां के लगा था। रोज की भांति वे बुधवार को भवन निर्माण में लगे थे। इसी बीच उनका पैर फिसल गिया, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आ गई। स्थानीय पुलिस के सहयोग से भवन स्वामी उसे लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उन्हे मृत घोषित कर दिया। साहबदीन के परिवार में उनकी पत्नी के अलावा तीन बेटियां व दो बेटे हैं। भवन निर्माण से मिलने वाले पारिश्रमिक से उन्होंने अपनी तीन बेटियों को पढ़ा लिखाकर उनके हाथ पीले कर दिए। वहीं दो बेटे जिसमें से एक का विवाह हो गया है। बड़ा बेटा दिल्ली में नौकरी करता है। साहबदीन की मौत की सूचना मिलने के बाद परिवारी में चीख–पुकार मच गई। वहीं छोटे बेटे की आंख के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। भवन स्वामी दिव्यांशू जायसवाल ने कहा कि वे मृतक के परिवार की हर संभव मदद करेंगे। बताते हैं कि घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। उसके साथ ही उनका पूरा परिवार पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है। एसओ गौर उपेंद्र मिश्रा से जब बात की गई, तो उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में कार्रवाई की जा रही है।

बछड़े नंदी और बछिया नंदिनी की शादी,श्रावस्ती से बहराइच आई बारात

बहराइच, (यूएनएस)। बैंड बाजे पर थिरकते बाराती, मंगलगीत गाती महिलाएं, बारातियों के खान–पान के लिए तैयार होती मिठाइयां, यह कोई आम शादी की तस्वीर नहीं है। बल्कि यूपी के श्रावस्ती में एक अनोखी शादी हो रही है। श्रावस्ती और बहराइच के दो परिवारों ने अपने बछड़े और बछड़ा का हिंदू रीति रिवाज से विवाह संपन्न कराया है। इस विवाह के साक्षी पुरोहित के साथ हजारों लोग भी बने हैं, जो की बाराती के रूप में बछिया बछड़े के विवाह में शामिल हुए। रात में बैंड बाजे के साथ पुरोहित ने पूजा अर्चना कर विवाह करवाया। अब 28 को विदाई बछिया की धूमधाम से होगी। 26 दिसंबर को श्रावस्ती जिले के इकौना विकास खंड में पड़ने वाले रामपुर कटेल गांव के चिरंजीव नंदी और बहराइच जिले के पयागपुर थाना क्षेत्र के निहनिया कुट्टी की रहने वाली आयुष्मती नंदिनी की अनोखी शादी बैंड बाजा बारात के साथ बड़े धूमधाम से सम्पन्न हुई है। यह शादी अनोखी इसलिए है, क्योंकि नंदी एक बछड़ा है और नंदिनी एक बछिया।विवाह में जब नंदी बछड़े की बारात निकाली तो इस बारात में पूरा हुजूम शामिल हो गया। बारात में लगभग 1000 बाराती शामिल हुए। बारात में डीजे भी लगाया गया था। शामिल लोगों ने डीजे की धुन पर जमकर ठुमके लगाए। दोनों का विवाह पूरे हिन्दू रीति रिवाज के साथ संपन्न हुआ है। बाकायदा पुरोहित ने पूजा अर्चना कर विवाह करवाया। बीते 12 दिसंबर को तिलक और फिर पंचांग देखकर तिलक और इन दोनों के विवाह का शुभ मुहूर्त निकाला गया और गांव और आसपास के इलाकों में निमंत्रण पत्र भेजा गया था। जिसके बाद बारात निकासी ,द्वारपूजा और फेरे आदि रश्मों और पुराने रीति रिवाज के अनुसार ये शादी सम्पन्न हुई। बारात में आम शादी की तरह खाने–पीने की व्यवस्था की गई थी। बारात पहुंचने पर हर एक बाराती पहले नाश्ता भी कराया गया।वहीं विवाह में सम्मिलित होने के लिए बाकायदा कार्ड भी बांटे गए थे। इसके बाद रामपुर कटेल गांव के भभूति प्रसाद के घर हिंदू रीति रिवाज से बछड़े नन्दी को दूल्हा बनाया गया। वहीं बहराइच के पयागपुर के नियनिया निवासी संत विश्व भारती भोला बाबा के घर हजारों की संख्या में बाराती पहुंचे। जहां पर हिंदू रीति रिवाज से भोला बाबा के बछिया नंदिनी को दुल्हन बनाकर विवाह संपन्न हुआ। जो अब क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। हर कोई इस विवाह के बारे में बात कर रहा है। बारात लड़की पक्ष यानी कि नंदिनी के गांव 3 दिनों तक रुकेगी, जिसके बाद 28 दिसंबर को बछिया नंदिनी अपने जीवन साथी बछड़े के साथ अपने ससुराल यानी श्रावस्ती के रामपुर कटेल के लिए विदा हो जाएगी।वहीं बछिया नंदिनी के संरक्षक भोला बाबा ने कहा कि वर्तमान समय में गोवंशों की बड़ी दुर्दशा है। गोवंश के सबसे बड़े पालक किसान ही बछड़ों का दूध न देने वाली गाय को बेसहारा छोड़ देते हैं। इसलिए गो संरक्षण का संदेश देने के लिए यह पहल की गई है। बताते चलें कि बीती रात विवाह संपन्न हुआ। वहीं आज दूसरे दिन शिष्टाचार होगा और कल तीसरे दिन विदाई होगी।बछिया मालिक ने बताया कि मैंने अपनी बछिया को बेटी की तरह पाला पोसा है। इसका विवाह बैंड बाजे के साथ धूम धाम से हुआ है। निमंत्रण पत्र बांटकर आस पास गांव के लोगों को आमंत्रित किया गया है।

एएमयू मलप्पुरम केंद्र की एनएसएस इकाई द्वारा सप्ताह भर का जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अलीगढ, (यूएनएस)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय मलप्पुरम केंद्र शाखा, केरल की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्नेहयालमरू सेंटर फॉर एबिलिटी एम्पावरमेंट, एराविमंगलम में सात दिवसीय आवासीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। 'स्वच्छ केरल के लिए युवा' थीम पर आधारित इस शिविर में देश भर से आये स्वयंसेवकों ने भाग लिया। शिविर में पेरिंथलमन्ना नगर पालिका की मदद से कचरा डंपिंग स्थानों पर स्नेहरामम (प्यार का बगीचा) का निर्माण किया गया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राघुल वी. राजन ने कार्यक्रम स्थल पर झंडा फहराया, शिविर का उद्घाटन करते हुए पेरिंथलमन्ना नगर पालिका के अध्यक्ष श्री शाजी पी. ने एनएसएस की प्रासंगिकता और छात्रों के साथ–साथ समाज पर इसके प्रभाव पर जोर दिया। श्री सलाम अथिकुरिसि, अध्यक्ष, पेसिफिक वैली ट्रस्ट, एराविमंगलम मानद अतिथि थे। स्वयंसेवकों ने एक जागरूकता परेड में भाग लिया और मलयालम, भोजपुरी और कश्मीरी पर विशेष भाषा सीखने के सत्र के साथ भारतीय भाषा संगम में भाग लिया। शिविर में फिट इंडिया आंदोलन को भी चिन्हित किया गया और उच्च स्तर के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के साथ फिट रहने के लिए जागरूकता फैलाने पर ध्यान केंद्रित किया। विमुक्ति मिशन, उत्पाद शुल्क विभाग, केरल सरकार की मलप्पुरम जिला समन्वयक सुश्री गाधा एम. दास ने युवाओं में मादक द्रव्यों के सेवन की रोकथाम के लिए जीवन कौशल पर एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया। उन्होंने स्वयंसेवकों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरे के बारे में जागरूक किया। एनएसएस इकाई ने केंद्र के कानूनी सहायता क्लिनिक, जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), मंजेरी और तालुक कानूनी सेवा परिषद (टीएलएससी), पेरिंथलमन्ना के सहयोग से कानूनी सहायता क्लिनिक की अध्यक्ष डॉ. नसीमा पी.के. की देखरेख में शिविर स्थल के वार्ड में एक कानूनी जागरूकता सर्वेक्षण भी किया।श्री याह्या टी.के., न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट, पेरिन्थलमन्ना इस अवसर पर मुख्य वक्ता थे। टीएलएससी पेरिंथलमन्ना के सचिव, एडवोकेट प्रसूनराम आर.एस. ने गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान पर अंतर्दृष्टि साझा की।राज्य के राजस्व विभाग के तहत आयोजित चुनावी साक्षरता अभियान (ईएलसी) शिविर में विशेष तहसीलदार और वरिष्ठ ईएलसी समन्वयक श्री वेणुगोपाल ए ने जागरूकता सत्र का नेतृत्व किया।मलप्पुरम कलक्ट्रेट के कनिष्ठ अधीक्षक श्री बीनू बी ने विभाग द्वारा तैयार किए गए चार्ट का उपयोग करके समूह गतिविधियों को सुविधाजनक बनाया। सुश्री शागी पी., उप तहसीलदार, पेरिंथलमन्ना तालुक ने वोटिंग मशीन और वीवीपीएटी का उपयोग करके मतदान प्रक्रिया का प्रदर्शन किया।

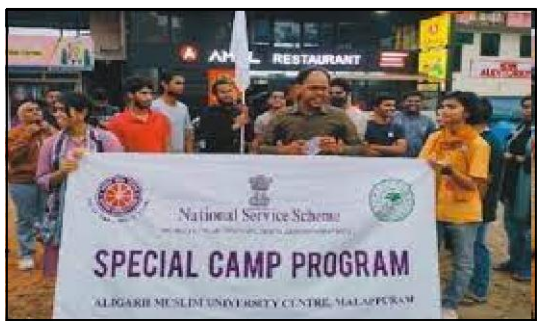

प्रमोद शंकर, मोटर वाहन निरीक्षक, पेरिंथलमन्ना ने विभिन्न सुरक्षा उपायों पर प्रकाश डालते हुए सड़क सुरक्षा जागरूकता सत्र का संचालन किया।वरिष्ठ नागरिक पुलिस अधिकारी, साइबर अपराध, मलप्पुरम श्री अशोक कुमार के. एम. ने साइबर अपराध और सुरक्षा पर एक सत्र आयोजित किया और साइबर धोखाधड़ी की शिकायतें दर्ज करने के तरीके के बारे में विस्तार से बताया। मोहम्मद शिबिन डी., अग्नि एवं बचाव अधिकारी, पेरिंथलमन्ना और सतीश कुमार एम., अधिकारी, केरल होम गार्ड ने आपदा प्रबंधन पर एक सत्र आयोजित किया, जिसमें विभिन्न अग्नि और बचाव विधियों और सावधानियों पर चर्चा की गई। शिक्षा विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. सबीना पी.एस. ने साबुन बनाने के आर्थिक पहलुओं पर बात की और केरल में एक लोकप्रिय विज्ञान आंदोलन, केरल शास्त्र साहित्य परिषद द्वारा एक सहायक किट के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया।सेंटर में हॉल्स ऑफ रेजिडेंस के प्रोवोस्ट डॉ. हमजा वी.के. ने जिम्मेदार नागरिकों के लिए जीवन कौशल पर एक सत्र आयोजित किया और स्वयंसेवकों को स्व–स्वॉट विश्लेषण में शामिल किया गया।स्वयंसेवकों द्वारा स्नेहरामम निर्माण स्थल पर अपशिष्ट, रोड़े और कचरा इकट्ठा करने, कीचड़ वाले पैच को समतल करने और बोगनविलिया के पौधे लगाने की गतिविधियों में भाग लेने के साथ एक सामूहिक सफाई अभ्यास आयोजित किया गया। उन्होंने सुचितवा मिशन, सरकार के संदेश भी पोस्ट किए। वेटिंग स्टैंड पर चार्ट पर केरल के लोगों ने क्रिसमस को एक अंतरधार्मिक समन्वय उपाय के रूप में मनाया। कार्यक्रम अधिकारी की अध्यक्षता में समापन सत्र में स्वयंसेवकों को भागीदारी के प्रमाण पत्र वितरित किए गए, जबकि यूनिट सचिव सुश्री सिदरा फातिमा ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया और एक अन्य यूनिट सचिव श्री नदीम अख्तर ने रिपोर्ट पढ़ी।

सांसद खेल महाकुंभ का आठवां दिन,वॉलीबॉल के फाइनल मैच में साऊघाट की टीम विजयी

बस्ती, (यूएनएस)। जनपद में सांसद खेल महाकुम्भ के आठवें दिन अमर शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम में कर्मचारी नेता राम आधार पाल, जगदीश शुक्ल, अनूप खरे, राजेश पाल चौधरी, ब्लॉक प्रमुख राकेश श्रीवास्तव, अनिल दूबे, पूर्व छत्रसंघ अध्यक्ष मनोज सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर विभिन्न खेलों का शुभारंभ किया। बुधवार को फुटबाल जूनियर बालक का फाइनल मैच रितिक बनाम अभिषेक के बीच हुआ।अभिषेक 1–0 से रितिक को हराकर विजेता बने। दूसरा मैच फुटबाल फाइनल जुनियर बालिका क्रान्ती गौतम बनाम गुड्डी के बीच हुआ। क्रान्ती ने गुड्डी को 2–0 से मात देकर विजेता बनी। तीसरा मैच सीनियर बालिका मुस्कान पाण्डेय बनाम संस्कृति के बीच खेला गया। जिसमें मुस्कान ने संस्कृति का 3–0 से पराजित किया।लांग जम्प सीनियर बालक में अम्बेश पाल प्रथम, गोलू सिंह द्वितीय, विजय कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जुनियर बालक में रामकेश प्रथम, देवांश पाण्डेय द्वितीय, अनूप कुमार ने तृतीय स्थान पर रहे। सीनियर बालिका में गुडिया भास्कर प्रथम, अर्पिता द्वितीय एवं प्रतिभा यादव तृतीय स्थान पर रहीं। जूनियर बालिका में प्रिया उपाध्याय प्रथम, सोनम द्वितीय एवं रजनी शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।1500 मीटर सीनियर बालिका में संजना राजभर प्रथम, दीपलता द्वितीय, ज्योति यादव ने तृतीय स्थान पर रहीं। जूनियर बालिका में अनुप्रिया प्रथम, अरिष्का द्वितीय एवं काजल चौधरी तृतीय स्थान काबिज रहीं। सीनियर बालक में कपिल प्रथम, सूरजपाल द्वितीय एवं विशाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर बालक मे चन्द्रभान प्रथम, सौरभ द्वितीय एवं आदित्य यादव ने तृतीय स्थान पर कब्जा जमाए।खो–खो जूनियर बालक का फाइनल मैच बहादुरपुर बनाम बस्ती नगर के बीच खेला गया। जिसमें बहादुरपुर विजेता रही। जूनियर बालिका का मैच हरैंया बनाम दुबौलिया के बीच हुआ। रोमांचक मैच मे हरैंया ने दुबौलिया को हराकर विजेता घोषित हुआ। बास्केटबाल का फाइनल मैच स्टेडियम जुनियर बनाम सेन्ट बेसिल से हुआ। इसमें स्टेडियम जुनियर ने 55–46 से सेन्ट बेसिल को कड़ा टक्कर देते हुए स्टेडियम जूनियर विजेता बना। वालीबाल सीनियर बालक का फाइनल मैच साउघाट बनाम बस्ती नगर खेला गया। साउघाट ने संघर्ष करते हुए बस्ती नगर को पछाड़कर विजेता बना। शतरंज जूनियर बालिका के खेले गये मुकाबले मे आकृति प्रथम, अनन्या द्वितीय तथा श्रृष्टि जायसवाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।सीनियर बालक में ओम नरायन शुक्ला प्रथम अमर बहादुर द्वितीय, रवि प्रकाश मिश्रा तृतीय पर रहे। जुनियर बालक मे शिवांश त्रिपाठी प्रथम श्याम ललित द्वितीय एवं सुब्रत चौहान ने तृतीय स्थान पर कब्जा जमाया। सीनियर बालिका में जया सिंह प्रथम ईशा श्रीवास्तव द्वितीय एवं रिया चौधरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बास्केटबाल सीनियर बालिका फाइनल मैच महिला सीनियर स्टेडियम बनाम आरएन सिंह महिला के बीच खेल गया। जिसमें महिला सीनियर स्टेडियम ने एक तरफा मुकबले में मात देते हुए विजेता रही।नितेश शर्मा ने बताया कि क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी संजय शर्मा के नेतृत्व में कर्मचारी अभिषेक श्रीवास्तव, अस्मिता गुप्ता, आशुतोष पाण्डेय, रामकुमार एवं निर्णायक मे विजय प्रकाश चौधरी, फैजान अहमद, शिव प्रकाश सिंह, सुधीर तिवारी, राममणि, जितेन्द्र, मंजेश राजभर, सुरेन्द्र, मुस्तकीम खान, रोहित सिंह, अनिल यादव, राहुल उपाध्याय, विनोद कुमार, राकेश सिंह अंकित सांसद खेल महाकुंभ में विभिन्न खेलों को सकुशल संपन्न कराने में लगे रहे।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सैक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।